53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

April, 2017 No. 04 Vol XXXXXIIV

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,120 शकसंवत् 1939

चैत्र-वैशाख 2074 दयानन्दाब्द 194 कलि संवत् 5119

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 55000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 09322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHINDANAND PANDA

MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

Sub-Editor

MANOJ AWASHTI

MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल -niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''ज़िन्दगी में वक्त से ज्यादा अपना या पराया कोई नहीं होता है, वक्त अपना होता है तो सब अपने होते हैं और वक्त पराया होता हे तो अपने भी पराये हो जाते हैं।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय 4
2. प्रौढ साधना शिविर 5
3. परिषद् के प्रभावी मीडिया का आगाज 6
4. सेवा ट्रस्टों की कार्यशाला 7
5. स्वास्थ्य 9
6. आओ कुछ हंस लें 17
7. विविध गतिविधियाँ 19
10. श्रद्धांजलि 26

विशेष :

1. भारती आर्थिक जगत में बढ़ता महिलाओं का प्रभाव, प्रो. सतीश चन्द्र गर्ग-पृष्ठ संख्या-6
2. हमेशा सकारात्मक सोचिये, मनोहलाल-पृष्ठ संख्या-18

अप्रैल मास के पर्व

05 : राम नवमी,
07 : विश्व स्वास्थ दिवस,
09 : महावीर जयन्ती,
11 : हनुमान जयन्ती,
13 : जालियावला बाग हत्याकांड, वैशाखी, विशु,
14 : गुड फ्राइडे, डॉ. अम्बेडकर जयन्ती,
15 : बोहाग बिहु,
16 : ईस्टर सण्डे,
27 : गुरु तेगबहादुर जयन्ती,
28 : भगवान परशुराम जयन्ती,
29 : अक्षय तृतीया,
30 : शंकराचार्य एवं सूरदास जयन्ती

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

राजधानी में उच्च शिक्षा के एक और केन्द्र को निशाना बनाते वामपंथियों, धर्म निरपेक्ष घटकों और देशद्रोह को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर प्रश्रय देने का एक और प्रकरण सियासी हल्के में चर्चा का विषय रहा। जब देशद्रोह की धुंध देश और विदेश में भारत की छवि को धूमिल कर रही हो, जब विश्वविद्यालय की एक छात्रा अचानक ट्विटर पर अपने शहीद पिता की शहादत की जिम्मेदारी पाकिस्तान के बजाय युद्ध को बताने लगी हो, तो राष्ट्रभक्त युवाओं का रक्त उबाल न ले तो आश्चर्य की बात होगी। गुलमेहर के ट्विट पर कोई क्रिकेट खिलाड़ी, कोई फिल्म कलाकार, कोई लेखक, साहित्यकार जब प्रतिक्रिया देता है। देश का आम आदमी समाज को दो हिस्सों में बंटा हुआ पाता है। मजे की बात यह है कि उच्च शिक्षा के केन्द्रों के विषय विशेषज्ञ जब ऐसे घटकों में बंट जाते हैं तो देश की मनीषा, संस्कृति और संस्कार को बचाए रख पाने की मुहिम को गहरा धक्का लगता है।

बंगाल और केरल में अल्पसंख्यकों तथा साम्यवादियों द्वारा हिन्दू समाज पर हिंसक हमलों का विरोध प्रखर हो गया है। दुखद स्थिति यह है कि राष्ट्रीय मीडिया के लिए यह खबर एक निष्प्रयोज्य खबर है। इन हिंसक घटनाओं का प्रतिकार जाग्रत और सशक्त हिन्दू समाज ही कर सकता है। इन घटनाओं का निहितार्थ यह भी है कि केरल की साम्यवादी सरकार की जड़े उखड़ने के कगार पर है।

इस माह एक अच्छी खबर भी है। इसरो के वैज्ञानिकों ने 104 उपग्रह एक साथ अंतरिक्ष में भेजने का रिकार्ड बनाया। इस घटना से विश्व के वैज्ञानिक आश्चर्यचकित हैं। इन उपग्रहों में तीन भारत के हैं, शेष अमेरिका, इजरायल, कजाकिस्तान, नीदरलैंड और स्विटजरलैंड के हैं। इस अभियान से इसरो ने एक अरब रुपये कमाए। भारत की प्रक्षेपण तकनीक सबसे सस्ती होने के कारण अनेक देश अपना प्रक्षेपण भारत के द्वारा सम्पन्न कराते हैं भारत प्रतिवर्ष 5 प्रक्षेपण अभियान की क्षमता रखता है जबकि चीन केवल 2 अभियान की क्षमता रखता है।

सूचना एवं तकनीक को विस्तार के साथ टी.वी. प्रसारण, नेट, फेसबुक, ट्विटर ब्लॉग, व्हाट्सअप्प, मोबाइल, वाई.फाई जैसी सुविधाएं उपग्रहों से संचालित होती है। अब कृषि, रक्षा, स्वास्थ्य, मौसम ओर आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में उपग्रहों का उपयोग किया जाता है। हमारे वैज्ञानिकों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में जो उपलब्धियाँ प्राप्त की है वे गर्व करने योग्य है। एक समय था जब उपग्रह प्रक्षेपण के लिए प्रयुक्त क्रायोजेनिक इंजन अमेरिका के दबाव में रूस ने भारत को देने से मना कर दिया था। तब हमारे वैज्ञानिकों ने देशी इंजन का निर्माण किया। हमारे वैज्ञानिको की यह सकारात्मकता रक्षा क्षेत्र में लगातार अनुसंधान से प्रकट हुई। स्पष्ट है कि भारत में मेधा की कमी नहीं है। आवश्यकता है अकादमिक समुदाय, सरकार और उद्यमिता की एकरूपता की।

-**डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता**, सम्पादक

PROPOSED REGIONAL WORKSHOP 2017-18

S.No.	Region	Date/month	Place
1	North	15-16 April, 2017	Delhi/Chandigarh
2	North Central	22-23 April, 2017	Hapur (W.U.P.)
3	Central	22-23 April, 2017	Swai Madhopur (Raj.)
4	North East		Guwahati
5	West	6-7 May, 2017	
6	East		
7	South		

In view of the decision taken in NEC meeting at Ajmer, it is to inform all the trust and societies registered in the name of BVP, that they are requested to opt the Regional President and Additional Secretary General of the region as ex. Office members of the body.

-**Ajay Datta,** National Secretary General

प्रौढ़ साधना शिविर

'अमरकंटक' (छत्तीसगढ़) : मध्य रीजन के राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्यों के 253 प्रौढ़ तथा सेवा निवृत्त परिषद् सदस्य सपरिवार प्रौढ़ साधना शिविर के लिए नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के सुरम्य वातावरण में मृत्युन्जय आश्रम, कल्याण आश्रम एवं शान्ति कुटी की व्यवस्थाओं में एकत्र हुए। लगभग 25 शिविरार्थी परिषद् के कार्य के लिए नये थे जो पहली बार परिषद् के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। हरियाणा के रोहतक शहर के लगभग 12 परिवार अमरकंटक के आकर्षण से शिविर में उपस्थित हुए। शिविर का उद्घाटन अमरकंटक जनजाति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टी.पी. कट्टीमणि ने किया। उनके उद्बोधन के सम्पादित अंश इसी अंक में अलग से प्रकाशित है।

शिविर संचालन तथा व्यवस्था में श्री मुरलीधर मखीजा, डॉ. अरिविन्द गर्ग, अनिल डागा तथा डॉ. बी.एल.कुमावत, क्षेत्रीय मंत्री प्रौढ़ साधना सम्मिलित रहे। डॉ. कुमावत के द्वारा शिविर के बारे में चर्चा के बाद आश्रम के वरिष्ठ स्वामी ने स्वावलम्बी रहने, पर उपदेश न करने, अहम भूलने, ऊर्जावान रहने की चर्चा की। जो नहीं उसकी चिन्ता नहीं, जो है वह लाजवाब है और दूसरों के जीवन में दखल न देने का आग्रह किया।

समूह चर्चा में नवीन शिविरार्थियों ने स्वास्थ्य, शिक्षा में योगदान की इच्छा प्रकट की। सभी सदस्यों के विचार पर फीड बैक लेने की परम्परा पर आश्चर्य हुआ। महिला श्रेणी समूह में मेघा उज्ज्वल पवार के निर्देशन में जीवन राम गुप्ता, चेयरमैन के समूह में 54 महिलाओं ने खुल कर चर्चा की तथा परिषद् कार्यों के विभिन्न आयोजनों में भाग लेने पर सहमति जताई। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, अवयस्क लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याओं तथा अभिभावक कर्तव्यों पर चर्चा हुई। सक्रिय कार्यकर्ता समूह में कुछ विशिष्ट कार्यक्रमों जैसे ''मुझे भी कुछ कहना है'' सभी वर्गों में समाजिक समरसता, वात्सल्य मंदिर की कल्पना की चर्चा अशोक जाधव जी के समूह में सम्पन्न हुई। मुक्त चिन्तन में साधना शिविर में साधना के प्रयोग, नई पीढ़ी के लिए परिवारिक दिशा निर्देश, पेरेटिंग तथा प्रौढ़ जनों के व्यवहार की सीमाओं पर चर्चा हुई।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पी.के.जैन ने भारतीय समाज की विशेषताओं तथा विदेशी शासकों के अत्याचारों के कारण आई कुरीतियों जैसे पर्दा प्रथा, छुआछूत, बाल विवाह, रात्रि में विवाह सम्पन्न करना आदि का उल्लेख किया और तत्कालीन समाज सुधारकों - तुकाराम, गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, चैतन्य महाप्रभु, शंकाराचार्य, रामानुजाचार्य, नानक, रैदास आदि का उल्लेख करते हुए सामाजिक प्रयत्नों का जिक्र किया। परिषद् के द्वारा सामाजिक चेतना के कार्य को जन चेतना का कार्य परिषद् कर रही है।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री अरुण डागा ने कहा कि परम्पराओं से संस्कारों का निर्माण होता है। प्राचीन और वर्तमान मूल्य कभी-कभी विरोधाभासी दिखती है। परन्तु प्राचीन और वर्तमान जीवनशैली पूरक है तथा परिवार के प्रति निष्ठा के सुदृढ़ करती है। समाज की समृद्धि के लिए धार्मिक पर्वों के साथ राष्ट्रीय पर्वों के सामूहिक आयोजन हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा हैं सृष्टि के कल्याण के लिए प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हमारी परम्परा है। वर्तमान में सृष्टि का दोहन हमारे दुख का कारण है। समापन सत्र में प्रान्त प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री रंग जी के उद्बोधन का सम्पादिक अंश अन्यत्र प्रकाशित किया जा रहा है।

झूसी (प्रयाग) : उत्तर मध्य क्षेत्र का प्रौढ़ साधना शिविर झूसी (प्रयाग) के जैन तपस्थली आश्रम के प्रकृतिक वातवरण में प्रारंभ हुआ। कुल 225 प्रतिनिधियों की भागीदारी में प्रान्त के अध्यक्ष डॉ. जगदीश कुमार मिश्रा, श्री राकेश कुमार मित्तर, महासचिवके सक्रिय प्रयासों तथा श्री राजीव रतन भार्गव संयोजक और शिवनन्दन गुप्त, रीजनल मंत्री प्रौढ़ साधना के मार्गदर्शन में शिविर सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में डॉ. जी.सी त्रिपाठी कुलपति हिन्दू विश्वविद्यालय, श्री अशोक मेहता, अपर महान्यायवादी, संतसंकर्पण जी महाराज का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

दूसरे सत्र में डॉ. विरदीभल जैन ने कैलोरी प्रबन्धन, पौष्टिक आहार तथा प्रौढ़ आयु वर्ग के खान-पान के टिप्स दिये। पूर्व चिकित्साधि कारी और 68 वर्ष की आयु में डॉ. पी.के.सिन्हा ने जीवनशैली और पर्यावरण के प्रभाव से स्वास्थ्य को बनाए रखने,संभावित बीमारियों के बचाव, व्यायाम तथा योग पर बल दिया। अकेलापन एक समस्या है, सामूहिक जीवन इसका उपाय है। परिवार के बच्चों के साथ, समव्यस्कों के साथ सह अस्तित्व से रहना हमारी सक्रियता का कारण हो सकता है। सुभाष चन्द्र रोहतगी, निदेशक देव प्रयाग इन्जीनियरिंग कॉलेज ने पीढ़ी के अन्तराल को एक बड़ी समस्या बताया। इस आयु में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखना अनुभव साझा करना और सकारात्मक सोच रहना आवश्यक हैं। एडवोकेट रविराज सिंह ने अपने उद्बोधन कहा कि हम सब में अन्नतशक्ति है तो सुसुप्तावस्था में है। इस सोई शक्ति को जगाना जीवन का लक्ष्य है। और इसका मार्ग है साधना। साधना के द्वारा ही मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को प्राप्त करता है। जबतक शिक्षा में धर्म तत्व से राष्ट्र, समाज, परिवार में सामन्जस्य निर्माण होता है। श्री रोहतगी ने कहा कि प्रौढ़ लोगों को

सकारात्मक सोच के साथ जीवंत बने रहने की आवश्यकता है।

उमेश प्रताप सिंह ने संचालन तथा माया द्विवेदी के साथ बीना भार्गव, रमा मिश्रा, डॉ. सत्येन्द्र मिश्र के सक्रिय सहयोग से शिविर की आवाश, यातायात, मेडिकल, भोज पंडाल की व्यवस्था में एक अच्छी व्यवस्था अनुभव की गई। सिकन्द्राबाद, बुलन्दशहर, रायबरेली, सुलतानपुर आदि स्थानों से आयो प्रतिनिधियों ने शिविर का पूर्ण आनन्द लिया। रीजनल अध्यक्ष केशव दत्त गुप्ता और डॉ. आर.बी. श्रीवास्तव, संयुक्त महामंत्री ने शिविर आयोजन में मागदर्शन कियां संसकार चेयरमेन श्री जीवनराम गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री अजय बंसल (ग्वालियर) ने संस्कार की आवश्यकता और उपयोगिता पर पावर पाइन्ट प्रस्तुति दी। डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, सम्पादिका 'ज्ञान प्रभा' ने महिलाओं की सशक्त भूमिका को रंखांकित किया।

भारतीय आर्थिक जगत में बढ़ता महिलाओ का प्रभाव

भारतीय जीवन दृष्टि में प्रारंभिक काल से ही परिवार इकाई को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि परिवार के सभी सदस्यों के मध्य सम्पर्क, सहयोग और समन्वय से परिवार जीवन्तता प्राप्त करता हैं परिवार के सदस्यों में एक दूसरे के लिए स्वभाविक त्याग और समर्पण का भाव बने, इसकी वास्तविक धुरी महिला ही होती है। बदलते हुए समय में, महिलायें उद्यमशीलता की ओर अग्रसरित हुई है, किन्तु इससे परिवार के प्रति ममत्व की भावना कम नहीं हुई। महिलाओं के अर्थोपार्जन से परिवार, समाज और राष्ट्र, वैश्विक आर्थिक सूचनांक में प्रगति पथ पर बढ़ा है।

'आर्गेनाइजेशन ऑफ इकॉनामिक कोऑपरेशन एण्ड डेवलपमेंट' की आख्या में 26 देशों के महिला-पुरुषों पर किये गये शोध से स्पष्ट हुआ कि देश के आर्थिक समृद्ध होने में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण हैं। **'ग्लोबल डेवलपमेंट इन्डेक्स'** के अनुसार भी जहाँ-जहाँरोजगार में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है, वहाँ-वहाँ आर्थिक विकास की गति बढ़ी है।

भारतीय महिलायें विशेषकर उच्च पदस्थ महिलाएं परिवार व देश के उत्तरोत्तर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रही हैं आज विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं अग्रणी भूमिका में दृष्टिगोचर हो रही हैं जैसे साहित्य, कला, विज्ञान, वाणिज्य, खेल,, राजनीति, पत्रकारिता, टेक्नोलॉजी आदि क्षेत्रों में भारतीय महिलाएँ उच्च पदों को सुशोभित कर रही हैं।

आर्थिक जगत में देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया में चेयर मैन अरुंधति भट्टाचार्य, एक्सिस बैंक में शिखा शर्मा, इलाहाबाद बैंक में शुभलक्ष्मी, बैंक ऑफ इण्डिया में विजयलक्ष्मी अय्यर और यूनाइटेड बैंक में अर्चना भार्गव प्रबन्धन के क्षेत्र में शीर्ष पदों पर आसीन हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रबन्ध निदेशक के रूप में ऊषा सांगवान नियुक्त हुई है। रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के निदेशक मण्डल में इंदिरा राजारमन और इला भट्ट सदस्य हैं। एक अध्ययन के अनुसार, देश में वरिष्ठ प्रबन्धकीय पदों पर कार्यरत महिलाओं का प्रतिशत 30% है।

वैश्वीकरण के युग में भारतीय महिलाओं ने अपनी अन्तर्राष्ट्रीय पहचान भी बनाई है। डॉ. किरण मजूमदार शाह, जिन्होंने मात्र दस हजार रुपये की लागत से अपनी कम्पनी शुरू की थी, आज बॉकयान लिमिटेड की प्रबन्ध निदेशक तथा अध्यक्ष है।। भारत की सबसे धनवान महिलाओं में एक है। इनकी कम्पनी जैव औषधि के क्षेत्र में विश्व स्तर पर एक बड़ी कम्पनी है।

नीलम दीवान, माइक्रोसाफ्ट इण्डिया की प्रबंध निदेशक है। टाइम्स ग्रुप की अध्यक्ष इन्दु जैन बहुआयामी प्रतिभा की धनी, उद्यमी होने के साथ-साथ शिक्षाविद्, मानवतावाद, आध्यात्मिक क्रिया कलापों में भी सक्रिय हैं।

टाटा ग्रुप की कम्पनी ट्रेन्ट लिमिटेड की अध्यक्ष सिमाने टाटा ने सौन्दर्य प्रसाधन के क्षेत्र में लैक्मे को एक विशेष पहचान दिलाने में सफलता प्राप्त की। श्रेष्ठ व्यवसायी महिला का सम्मान प्राप्त करने वाली मल्लिका श्री निवासन ने अपनी प्रबन्धकीय क्षमता से टैफे के कुछ ही समय में 85 करोड़ वार्षिक टर्नओवर वाली कम्पनी से 3000 करोड़ टर्नओवर वाली कम्पनी बना दिया। प्रीति रेड्डी ने अपोलो अस्पताल की श्रृंख्ला की प्रबन्ध निदेशक के रूप में अपनी योग्यता और प्रतिभा का परिचय दिया है।

वर्तमान समय में महिलाओं का एक छोटा भाग ही आर्थिक रूप से स्वालम्बी है, परन्तु सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक परिवेश में बदलाव से चतुर्दिक क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति का बढ़ना सौ प्रतिशत निश्चित है। स्त्री सशक्तीकरण व सामाजिक अभियंत्रिकी का सार्थक परिणाम महिलाओं में बढ़ती जागरूकता है। - **प्रो. सतीश चन्द्र गर्ग**, महासचिव, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

कोई भी देश तरक्की के शिखर पर तब तक नहीं पहुँच सकता, जब तक उसकी महिलाएं कन्धे से कन्धा मिलाकर ना चले।

वर्ष 2017-18 परिषद् के प्रभावी मीडिया का आगाज

परिषद् के लगभग 1284 स्थायी प्रकल्प, 1300 शाखाएँ, 58000 सदस्य परिवार, लगभग 84 ट्रस्ट और सोसायटी द्वारा सेवा कार्य, 14 विकलांग केन्द्र लगभग 50 कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र बड़ी संख्या में सिलाई केन्द्र 500 से अधिक चिकित्सा शिविर, हजारो नेत्र ऑपरेशन, दर्जनों नेत्रदान, लाखों छात्रों को गुरु शिष्य परमपरा का स्मरण, 18 लाख बच्चों का भारत को जानो, समूहगान, 50 तक चिकित्सालय, डायग्नोस्टिक केन्द्र, सीटी स्कैन, एक्सरे, पैथ लैब, लगभग 25000 यूनिट रक्तदान सेवा के ऐसे आकड़े हैं जिनपर कोई भी संस्था का सदस्य गर्व कर सकता है। गत वर्ष से इन सेवा कार्यों को सोशल नेटवर्किंग के साथ जोड़ने की एक महत्वकाक्षी योजना बनाई गई है। आशा है आपका सहयोग प्राप्त होगा।

1. **केन्द्रीय वेबसाइट www.bvpindia.com** - इस साइट पर परिषद् की स्थापना से अबतक की समस्त उपलब्ध सूचनाएँ अंकित है। केन्द्रीय, रीजनल, प्रान्तीय नेतृत्व, शाखाओं के अपडेट प्रकल्पों की सम्पूर्ण जानकारी, राष्ट्रीय कार्यक्रमों के वीडियों, सूचनाएँ आदि उपलब्ध है। सभी आवेदन प्ररूप भी उपलब्ध है।
2. **फेसबुक** - (1) www.facebook.com/Bharat Vikas Parishad Central
   page - Bharat Vikas Parishad Official
   (2) www.facebook.com@atam.dev
   page - Bharat Vikas Parishad - Headquarters
3. **मेल साइट** - bvp@bvpindia.com केन्द्रीय कार्यालय हेतु
   niti@bvpindia.com नीति समाचार के लिए
   centralmedia@bvpindia.com मीडिया तथा प्रचार समाचार एवं फोटो के लिए
4. **प्रान्तीय मेल** - सभी प्रान्तों के लिए मेल का प्रारूप bvp Name of the Prant@bvpindia.com रहेगा
5. **सभी शाखाएँ/प्रान्त/रीजन** - अपना फेसबुक अकाउण्ट बनकार केन्द्रीय अकाउण्ट से लिंक कर दें। जिससे समाचारों का आदान प्रदान हो सके।

WhatsApp संबंधी सूचनाएँ

व्हाट्सएप्प के समूहों को एक रूप बनाने की दृष्टि से कुछ सुझाव दिये जा रहे हैं। कृपया अपेक्षित संशोधन कर लें।

1. सभी रीजन, प्रान्त/शाखा के ग्रुप bvp/रीजन/प्रान्त/शाखा के नाम से ही बनाए जाएं। इसके admin शाखा सचिव/प्रान्तीय महासचिव/राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री अथवा नियुक्त प्रतिनिधि रहेंगे।
2. केन्द्र के किसी ग्रुप का निर्माण एवं संचालन केवल केन्द्रीय कार्यालय से ही होगा। Core Commetee/NEC/National Council/ ग्रुप केन्द्र द्वारा बनाएं जाएंगे।
3. शाखा/प्रान्त/रीजन के किसी समूह में केन्द्रीय अधिकारियों के बिना स्वीकृति शामिल न करें।
4. केवल परिषद् संबंधी सूचनाएँ ही शेयर करें
5. सभी रीजन के ग्रुप में समाचार के लिए नीति सम्पादक को सम्मिलित कर लें।
6. कार्यक्रमों के उपरान्त समाचार, फोटो, वीडियों अपने फेसबुक अकाण्ट पर अपलोड कर दें।

सावित्री वाई फुले

सावित्री बाई फुले का जीवन एक ऐसी मशाल है जिन्होंने स्वयं पूज्वलित होकर भारतीय नारी को पहली बार सम्मान के साथ जीना सिखाया। सदियों से पुरानी कुरीतियों से जकड़ी नारियाँ सावित्री वाई के प्रयत्नों से मुक्त हुई और पहली बार भारतीय नारियों पे पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर खुली हवा में सांस ली। वे प्रथम भारतीय महिला शिक्षिता थी। पुरुष प्रधान समाज में उस समय नारी अज्ञान, कर्मकांड, वर्णभेद, जाति प्रथा, बाल विवाह आदि व्याधियों से व्यथित थी। जब वे पढ़ाने जाती थी तो महिला शिक्षा विरोधी लोग उन पर कीचड़, गोबर, विष्टा आदि फकते थे। किन्तु वह सदैव एक साड़ी अपने थैले में रखती थी। स्कूल पहुँच कर गंधी साड़ी को बदल कर पढ़ाती थी। महिला शिक्षा के बारे में उनको जनमन था। - **डॉ. श्रीराम देशमुख**, उपाध्यक्ष विद्या भारती विदर्भ

हमेशा सकारात्मक सोचिये

एक व्यक्ति काफी दिनों से चिंतित चल रहा था। जिसके कारण वह काफी चिडचिड़ा तथा तनाव में रहने लगा था। वह इस बात से परेशान था कि घर के सारे खर्चे उसे ही उठाने पड़ते हैं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसी के ऊपर है, किसी ना किसी रिश्तेदार का उसके यहाँ आना जाना लगा ही रहता है, उसे बहुत ज्यादा इन्कम टैक्स देना पड़ता है, आदि आदि।

इन्ही बातों को सोच-सोच कर वह काफी परेशान रहता था तथा बच्चों को अक्सर डांट देता था ओर अपनी पत्नी से भी ज्यादातर उसका किसी न किसी बात पर झगड़ा ही चलता रहता था। एक दिन उसका बेटा उसके पास आया और बोला पिताजी मेरा स्कूल का होमवर्क करा दीजिए। वह व्यक्ति पहले से ही तनाव में था तो उसने बेटे को डांट कर भगा दिया। लेकिन जब थोड़ी देर बाद उसका गुस्सा शांत हुआ तो वह बेटे के पास गया तो देखा बेटा सोया हुआ है और उसके हाथ में एक होमवर्क की कॉपी है। उसने कॉपी लेकर देखी तो उसने होमवर्क किया हुआ था। जैसे ही उसने कॉपी नीचे रखनी चाही, उसकी नजर होमवर्क के टाइटल पर पड़ी।

होमवर्क का टाइटल था वो चीजे जो हमें शुरू में अच्छी नहीं लगती, लेकिन बाद में वे अच्छी ही होती है। इस टाइटल पर बच्चे को एक पेराग्राफ लिखना था जो उसने लिख लिया था। उत्सुकतावश उसने बच्चे का लिखा पढ़ना शुरु किया। बच्चे ने लिखा था -

मैं अपने फाइनल एग्जाम को बहुत धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि शुरू में तो ये बिलकुल अच्छे नहीं लगते, लेकिन इनके बाद स्कूल की छुट्टियाँ पड़ जाती हैं। मैं खराब स्वाद वाली कड़वी दवाइयों को बहुत धन्यवाद देता हूँ क्योंकि शुरू में तो ये कड़वी लगती हैं। लेकिन ये मुझे बीमारी से ठीक करती हैं मैं सुबह-सुबह जगाने वाली उस अलार्म घड़ी को बहुत धन्यवाद देता हूँ जो मुझे हर सुबह बताती है कि मैं जीवित हूँ।

मैं ईश्वर को भी बहुत धन्यवाद देता हूँ, जिसने मुझे इतने अच्छे पिता दिये। क्योंकि उनकी डांट मुझे शुरू-शुरू में तो बहुत बुरी लगती है लेकिन वो मेरे लिए खिलौने लाते हैं, मुझे घुमाने ले जाते हैं और मुझे अच्छी-अच्छी चीजें खिलाते हैं और मुझे इस बात की खुशी है कि मेरे पास पिता हैं क्योंकि मेरे दोस्त सोहन के तो पिता ही नहीं हैं।

बच्चे का होमवर्क पढ़ने के बाद वह व्यक्ति जैसे अचानक नींद से जाग गया हो। उसकी सोच बदल-सी गयी। बच्चे की लिखी बातें उसके दिमाग में बार-बार घूम रही थी। खासकर वह बदलाव वाली लाइन। उसकी नींद उड़ गयी थी। फिर वह व्यक्ति थोड़ा शांत होरक बैठा और उसने अपनी परेशानियों के बारे में सोचना शुरू किया।

मुझे घर के सारे खर्चे उठाने पड़ते हैं। इसका मतलब है कि मेरे पास घर है और ईश्वर की कृपा से मैं उन लोगों से बेहतर स्थिति में हूँ जिसके पास घर नहीं है।

मुझे पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। इसका मतलब है कि मेरा परिवार है, बीबी, बच्चे हैं और मैं दुनिया में अकेला नही हूँ और ईश्वर की कृपा से मैं उन लोगों से ज्यादा खुशनसीब हूँ, जिसके पास परिवार नहीं है ओर वो दुनिया में बिल्कुल अकेले हैं मेरे यहाँ कोइ। ना कोई मित्र या रिश्तेदार आता जाता रहता है। इसका मतलब है कि मेरी एक सामाजिक प्रतिष्ठा है और मेरे पास मेरे सुख-दु:ख में साथ देने वाले लोग हैं।

मैं बहुत ज्यादा इनकम टैक्स भरता हूँ। इसका मतलब है कि मेरे पास अच्छी नौकरी है और मैं उन लोगों से बेहतर हूँ जो बेरोजगार हैं और पैसों की वजह से बहुत-सी चीजों और सुविधाओं से वंचित हैं।

हे मेरे भगवान! तेरा बहुत-बहुत शुक्रिया, मुझे माफ़ करना। मैं तेरी कृपा को पहचान नहीं पाया। हाथ जोड़कर उस व्यक्ति ने ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा-

इसके बाद उसकी सोच एकदम से बदल गयी। उसकी सारी परेशानी, सारी चिन्ता एकदम से जैसे खत्म हो गयी। वह एकदम से बदल-सा गया। वह भागकर अपने बेटे के पास गया और सोते हुए बेटे को गोद में उठाकर उसके माथे को चूमने लगा और अपने बेटे को तथा ईश्वर को धन्यवाद देने लगा।

हमारे सामने जो भी परेशानियाँ हैं उनके नकारात्मक पक्ष को ना देखकर उसके सकारात्मक पक्ष को देखें। हम जब तक किसी भी चीज को नकारात्मक नजरिये से देखते रहेंगे, तब तक हम परेशानियों से घिरे रहेंगे। चिन्ता और तनाव हमें घेरे रहेंगें लेकिन जैसे ही हम उन्हीं चीजों को, उन्हीं परिस्थितियों को सकारात्मक नजरिये से देखेंगे, हमारी सोच एकदम से बदल जाएगीं हमारी सारी चिंताएं, सारी परेशानियाँ, सारे तनाव एकदम से खत्म हो जायेंगे। और हमें आगे बढ़ने के और मुश्किलों से निकलने के नए नए रास्ते दिखाई देने लगेंगे।

-मनोहर लाल बुद्धिराजा

सेवा ट्रस्टों की कार्यशाला

कोटा (राजस्थान) : सेवा ट्रस्ओं की द्विदिवसीय कार्यशाला 25-26 फरवारी, 2017 को कोटा में सम्पन्न हुई। देशभर के सेवा कार्यों के पदाधिकारी निमंत्रित थे। सफीदों, लुधियाना, चण्डीगढ़, दिल्ली, पूणे, शिमला, रामगंज मंडी, पूना, बंगा ट्रस्ट के पदाधिकारी तथा सेवा कार्य प्रमुख उपस्थित हुए। ट्रस्ट की कार्यशाला का उद्देश्य तथा सत्रों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने नये संविधान के अनुरूप ट्रस्टों में संशोधन तथा कार्य के पारदर्शिता से करने पर बल दिया। श्री सम्पत खुरदिया ने नये ट्रस्ट की र्मांडल डीड, ट्रस्ट अकाउण्ट की व्यवस्था, आयकर विवरणी, कर मुक्त दान के कानूनी मुद्दों पर प्रकाश डाला। अकाउण्ट की योजना बनाकर सभी आवश्यक प्रपत्रों का रख रखाव, नियमानुसार बैठकें, प्रस्तावों का क्रियान्वयन आदि पर विस्तार से जानकारी दी।

सभी सेवा कार्यों के प्रतिवेदन के बाद श्री अजय दत्ता राष्ट्रीय महामंत्री ने बैठक की उपयोगिता तथा महत्व को रेखांकित करते हुए प्रतिनिधियों से सुझाव मांगे। ट्रस्टों का संगठन से समन्वय की आवश्यकता बताई गई। ट्रस्ट और परिषद् के उद्देश्य सामन्जस्य रखने, समन्वय के लिए ट्रस्ट के अनुभवी व्यक्ति को राष्ट्रीय मंत्री ट्रस्ट का दायित्व देने की आवश्यकता विचार की गई। नये संविधान एवं नियमों के अन्तर्गत नये ट्रस्टों की रचना, मॉडल डीड, ट्रस्टों मे रीजनल एवं केन्द्रीय पदाधिकारियों के नामांकन पर भी विचार किया गया। सेवा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रशासनिक समाधान के विषय पर विचार किया गया। प्रताप शाखा कोटा के साथ प्रान्तीय टीम ने कोटा अस्पताल के सहयोग से व्यवस्था संभाली। सदस्यों को कोटा अस्पताल की नवीनतम सेवाओं, नर्सिंग कॉलेज भवन तथा प्रस्तावित कैंसर चिकित्सालय की रूप रेखा की जानकारी दी गई। कार्यशाला में चेयरमैन सेवा श्री यशपाल गुप्ता, संगठन मंत्री सचिदानन्द पाण्डा, संयुक्त महामंत्री संजीव बंसल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पी.के.जैन, सुरेश चन्द्र गुप्ता, दत्ताबाल चितेले, संयुक्त महामंत्री आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में मा. भागय्या जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसे इसी अंक में अन्यंत्र प्रकाशित किया गया।

-नीति डेस्क।

संतत्व अपने मन में है, दूसरे में नहीं!

एक सेठ बरसाने गय। कुछ दिन उसको रूकना था। सेठ का नियम था कि वह किसी संत को भोजन कराने के बाद भोजन करता था। एक दिन सेठ ने नौकर से कहा कि किसी संत को बुला लाओ। उस दिन किसी स्थान पर बड़ा भंडारा था। सभी संत भंडारे में चले गये थे। अब कोई संत नहीं मिला। नौकर ने सोचा कोई संत नहीं मिलेगा तो सेठ भोजन नहीं करेगा और हमें भी भूखा रहना पड़ेगा। नौकर ने एक दो लाल पीला कपड़े लिए और मंदिर की सीढ़ी पर बीड़ी पीते एक व्यक्ति को पकड़ कर ले गया। उससे कहा कि बोलना मत। मैं बता दूँगा की मौनी बाबा है। सेठ जी ने उसके पैर घोये, थाल सजाया। अभी गरम-गरम हलवा परोसा ही था, वो बेचारा भिखारी जैसे ही हलवा देखा तुरन्त झपट कर खाने लगा। सेठ ने कहा तू खड़ा हो जा, तू नकली संत है। संत भोजन करने से पहले प्रार्थना करते है। सेठ जी ने पूरी कोशिश कर ली अंत में भोजन कर लिया। भिखारी भूखा रोता रहा।

रात को सेठ के सपने में किशोरी जू आई। उन्होंने कहा 'उसको भूखा उठा दिया, तू बहुत कड़ा दानवीर बनता है। सेठ ने कहा महारानी वह संत नहीं था, वो पाखंडी था। किशोरी जू ने कहा सेठ एक दिन खिलाना पड़ गया तो संत का संतत्व देख रहा है। मैं उसको चालीस साल से खिला रही हूँ वो आज तक भूखा नहीं सोया। मैंने तो आज तक नहीं पूछा कि वह संत है या पाखंडी।

प्रान्तीय महिला सम्मेलन

हस्तिनापुर-समृद्धि मुजफ्फरनगर शाखा के आतिथ्य में महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया चेतना सेठी के वन्देमातरम तथा अनुपमा बरनवाल, मीनाक्षी मित्तल द्वारा तिलक स्वागत से प्रारम्भ हुए सम्मेलन में संगम शाखा लोकगीत, संस्कार शाखा का नृत्य होली आई रे प्रस्तुत हुआ। उषाराज का मनोहारी संचालन तथा डॉ. प्रियवंदा, बीना, सुमन, डॉ. अरुणा, प्रधानाचार्य सुनीता गौड़, डॉ. लता का सम्मान, कुशलता से सम्पन्न हुआ। विराट शाखा ने सावरिया नन्दकिशोर, शास्त्री नगर शाखा ने आई वसंत की बहार जिया झूम झूम जाए, विवेक अटक अटक झाटपट, सम्राट शाखा की प्रस्तुति प्रशंसनीय रही। छात्र चिन्मय गोयल, शाश्वत चौधरी (भारत को जानो) आयुषी सत्रवाल (करोट) अनुराग सिघल (उड़ान उम्मीदों की) पल्लवपुरम (रंग बसंती छा गया) उत्कृष्ट शाखा (आई बसंत) छबि (भजन सारी दुनिया है दिवानी) सराहनीय रही। प्रान्तीय तथा रीजनल अधिकारियों के साथ नीता दुबलिश, नीरा सिंघल, संदीप जैन के साथ पूरी टीम का सहयोग रहा।

छीपाबड़ौत, राजस्थान दक्षिण पूर्व : 81 वाँ नेत्र शिविर जिला अंधाता निवारण समिति का तथा डी.डी. नेत्र सेवा फाउण्डेशन के द्वारा जगदीशचन्द्र गोयल की 79वीं जन्म तिथि पर 450 मरीजों का नेत्र परीक्षण हुआ। 103 मरीजों को ऑपरेशन के लिए कोटा भेजा गया। शिविर में दीगोद, रामगंज मंडी, शाहबाद, श्योपुर, पीपलदा, छाबड़ा, किशनगंज, बारां, अटरू, झालावाड़ तहसीलों के मरीज आये। गणतंत्र दिवस पर 25वाँ रक्तदान शिविर श्री रामभरोसे गोयल के सहयोग से लगाया गया। डॉ. बी.एल. मीणा तथा डॉ. मन्नू माथुर ने रक्तदान शिविर में टीम के साथ सहयोग किया। बारां ब्लड बैंक को 58 यूनिट तथा कोटा हॉस्पिटल को 71 यूनिट रक्तदान किया गया। 13 रक्तदाताओं ने प्रथम बार रक्तदान किया।

छाबड़ा : शाखा द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 167 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। पंकज गालव सचिव ने 23वीं बार रक्तदान किया। 60 लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। 15 महिलाओं ने भी रक्तदान किया।

बारां : शाखा द्वारा अंधता निवारण समिति के सहयोग से मोती महल अस्पताल रोड पर लैंस प्रत्यारोपण हेतु नेत्र शिविर लगाया गया। डॉ. सपना, डॉ. गर्विता सिंह, विकास वर्मा द्वारा नेत्र जांच की गई। कुल 210 मरीजों का परीक्षण किया गया तथा 55 मरीजों को ऑपरेशन हेतु भेजा गया। पराग टोग्या की टीम ने व्यवस्था संभाली।

मौलिक चिन्तन

एक लड़के ने पढ़ाई पूरी कर ली। नौकरी नहीं मिली। तो एक क्लिनिक खोल लिया। वोर्ड लगा दिया। तीन सौ रुपये में इलाज करवाएं। इलाज नहीं हुआ तो एक हजार रुपये वापस।

एक पंडित ने सोचा - हजार रुपये कमाने का अच्छा मौका है। क्लिनिक पर जाकर बोला मुझे किसी चीज का स्वाद नहीं आता।

लड़का - बॉक्स न 22 से दवा निकालो और 3 बूद पिला दो। नर्स ने पिला दी।

पंड़ित यह तो पेट्रोल है। लड़का बालो मुबारक हो तुम्हें स्वाद आ गया। निकालो तीन सौ रुपये।

पंडित को गुस्सा आ गया। दुबारा गया पैसे वसूल करनें बोला- साहब मेरी यादाश्त कमजोर हो गई है। लड़का - बॉक्स नं. 22 से दवा निकालो। 3 बूंद पिला दो। लेकिन वह दवा तो जुवान के स्वाद के लिए है। ये लो तुम्हारी यादाश्त वापस आ गई। निकालो तीन सौ रुपये। फिर पंडित को गुस्सा आ गया।

एक बार फिर गया और बोला मेरी नजर कमजोर हो गई है। लड़का बोला- इसकी दवा मेरे पास नहीं हैं ये लो एक हजार रुपये।

पंडित - पर यह तो एक सौ का नौट है। लड़का - वाह आ गई नजर। लाओ तीन सौ रुपये।

हिन्डौन सिटी, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा राजकीय अस्पताल मोहन नगर मे रक्तदान शिविर में 220 येनिट रक्तदान किया गया। 25वें रक्तदान शिविर में पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल, नगर परिषद् अध्यक्ष अरविन्द जैन ने रक्तदान के बारे में जागरूकता तथा निरन्तर रक्तदान शिविर के लिए परिषद् की सराहना की। सांसद मनोज राजोरिया ने रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के उच्चीकृत करने पर सहमति दी। शिविर से संतोकवा दुर्लभ जी अस्पताल जयपुर में 167 यूनिट का राजीय चिकित्सालय करौली में 53 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। -सचिव सुनील सिंघल।

बाड़मेर, राजस्थान पश्चिम : शाखा द्वारा विवेकानन्द जयन्ती पर बच्चों का कार्यक्रम आयोजित हुआ। रक्तदान शिविर में 52 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। 200 छात्रों ने पंजीकरण करवाया। नेत्र ज्योति चिकित्सालय में 447 रोगियों की जांच हुई। 221 ऑपरेशन

किये गये। उपखण्ड अधिकारी श्री चेतन कुमार त्रिपाठी सेवा कार्य की प्रशंसा की। अरसेरजित शिविर में 297 रोगियों की जांच तथा 78 रोगियों के नेत्र ऑपरेशन हुए। एक्यूप्रेशर तथा सुजाक थेरेपी में 378 लोगों को लाभ मिला। 12 गरीब छात्रों को नि:शुल्क कोचिंग दी गई।

सांचोर : शाखा द्वारा विकलांग केन्द्र पर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित प्राथमिक हॉस्पिटल में 1181 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा श्रीमती गेरीबेन के सौजन्य से नि:शुल्क दवा वितरण किया गया। फिजियोथेरेपी सेन्टर में 491 मरीजों को फरवरी मास में सेवा दी गई। 23 दिव्यांगों का सहायता दी गई।

कैसे थे वे लोग

उत्तर प्रदेश के प्रथम प्रचारक दीन दयाल उपाध्याय के लोक संग्रही गुण पर एक टिप्पणी – दीन दयाल जी जो जनसंघ और संघ में कार्य करने की प्रेरणा दी, वह इस कारण नहीं कि वे बड़े बुद्धिमान थे। बल्कि वे अपने कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के सुख दुख के साथ इतना समरस हो जाते थे और इतना निकट रहते थे कि ऐसा कभी प्रतीत नहीं होता था कि वे एक बड़े व्यक्ति है, किसी अखिल भारतीय दल के महामंत्री है। जैसा कि आज प्रचलन में है ऐसे किसी व्यक्ति से मिलने के लिए समय लेना पड़ता हैं वे ऐसे नहीं थे। रात के बारह बजे भी चले जाओ तो मिलने को तैयार। किसी भी समय कार्यकर्ता से मिलने को तत्पर। मैं महामंत्री हूँ इस भाव से वे कभी बात नहीं करते थें सदा सहयोगी मित्र समझकर आत्मीयता से बात करते थे।

लोक संग्रही वृत्ति –

संघ कार्य लोक संग्रह का कार्य है। अनेक वर्ष प्रचारक रहने के कारण जब वे जनसंघ के महामंत्री बने तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु के बाद देशभर में अखिल भारतीय राजनैतिक दल को खड़ा करने का काम उनके कंधों पर आ गया। उन्होंने अपने परिश्रम से यह कार्य किया। उन्होंने किसी को अपना अनुयायी नहीं बनाया, अपने सहयोगियों की सहायता से दल को खड़ा किया। राष्ट्र समर्पित जीवन की प्रेरणा, बुद्धि नहीं हृदय होता है। अपने देश में बुद्धिमान लोगों की कमी नहीं है। गरीबी और तंगहाली पर भाषण देने के लिए बुलाया जाए जो उत्कृष्ट भाषण देने वालों की कमी नहीं है। परन्तु संगठन खड़ा करने के लिए आत्मीयता, बन्धुत्व भाव ओर अहंकार मुक्त स्वभाव चाहिए। – मा. भाऊ रावदेवरस की स्मृति से।

आदर्श अजमेर, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा जवाहर लाल नेहरु अस्पताल के ब्लड बैंक के सहयोग से राजकीय सेटलाइट हॉस्पिटल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्त दाताओं को दूध, बिस्कुट, फल दिये गये। पार्षद रेखा शर्मा और पार्षद पिंकी गुर्जर उपस्थित रहे। डॉ. रमेश गुप्ता, डॉ. भार्गव का विशेष सहयोग रहा।

लुधियाना विकलांग पुनर्वास केन्द्र, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा आयोजित विकलांग शिविर में 211 विकलांगों को कृत्रिम अंग जैसे कैलीपर, व्हील चेयर, बाजू आदि प्रदान की गई। पुनर्वास के लिए अब तक 191 बच्चों को हॉजरी की ट्रेनिंग दी गई है। पोलियो सरजरी कैम्प में डॉ. पवन ढ़ींगरा द्वारा पोलियो के 23 ऑपरेशन किये गये। पॉलीक्लीनिक में 928 मरीजों का उपचार होम्योपैथी, आँख, एक्यूप्रेशर, फिजियोथेरेपी द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष (रायपुर प्रवास)

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक रायपुर प्रवास पर CPSE के Director orientation कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पधारे। होटल कोर्टीयार्ड मैरिओट में परिषद् में परिषद् सदस्यों से सौजन्य भेंट में बहुमूल्य मार्गदर्शन करते हुए समाज के प्रगति में परिषद् के योगदान की चर्चा की। रायपुर शाखा के कार्यक्रमों की आख्या उन्हें दी गई। अध्यक्ष सुबोध पाण्डे पूर्व अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने अध्यक्ष जी का आभार किया।

फिरोजपुर छावनी, पंजाब दक्षिण : शाखा द्वारा सनातन धर्मार्थ औषधालय में नि:शुल्क चेकअप तथा ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवी अनिरूद्ध गुप्ता ने ज्योति प्रज्ज्वलन कर मरीजों को स्वस्थ होने की कामना की। डॉ. देवेन्द्रपाल सिंह ने 425 मरीजों का परीक्षण किया। 38 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। श्री फकीरचन्द्र गुप्ता का मरणोपरान्त नेत्र दान किया गया। शिविर में विजय गुप्ता, अरविन्द बंसल, नरेश गोयल, ललित मोहन आदि ने सहयोग किया।

उरई, बुन्देलखण्ड : शाखा द्वारा एल्ड्रच पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर लगाकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

गया। जिलाधिकारी संदीप कौर, तथा पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगार्ड ने मतदान की शपथ दिलाकर रक्तदान शिविर प्रारम्भ कराया। 56 लोगों ने रक्तदान किया। परिषद् के ब्लड कमोज फाउण्डेशन रेडक्रास, डिप्लोमा इंजीनियर तथा पतंजलि योग समिति ने सहयोग किया। कमलेश ओझा, आलोक यादव, डॉ. सी.पी. गुप्ता, प्रान्तीय महासचिव अजय इटोरिया मौजूद रहे।

समर्थ लखनऊ, अवध प्रदेश : शाखा की स्थापना से ही गरीबों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने में निरन्तर लगी है। डॉ. आर.के.अग्रवाल तथा डॉ. ओ.पी.सिंह की टीम ने मोहन लालगंज के बरवलिया ग्राम का चयन करके सप्ताह में दो बार स्वास्थ्य परीक्षण तथा दवा वितरण कार्य सम्पन्न किया जाता है। निकवर्ती 16 गाँवों के निवासियों के परीक्षण तथा दवा के द्वारा मरीजों के सेवा प्रदान की जा रही है।

विचारणीय

पाकिस्तान में हिन्दुओं की स्थिति और उन पर होते बर्बर अतयाचार किसी से छिपे नहीं है। कश्मीर से आतंकवाद के कारण लाखो लोगों को अपना सब कुछ घर, सम्पति, मान सम्मान को गवांकर और माँ बहनों पर दुराचार की कहानियाँ भी अनगिनत है। मालदा, कनूर, कैराना के लोगों से पूछिये। शान्तिपूर्ण जीवन जीना, मान सम्मान बनाए रखना और सम्पति बचाए रखना कठिन हो गया है। समाज को टुकड़ों में बटे रहना और पतन के कितने दर्द झोले है समाज ने, यह इतिहास का विषय नहीं है। फिर भी इतिहास का एक दृष्टान्त याद कर ले। शायद हम इतिहास से सबक ले सके।

अहमदशाह अब्दाली, शिवाजी की सेना के बढ़ते कदम रोकना चाहता था। शिवाजी का प्रभाव उसे कचोट रहा था। आखिर कार सेना इक्ट्ठी कर उसने शिवाजी पर आक्रमण कर दिया। मराठाओं को हराना असम्भव था। हारती सेना के साथ अहमदशाह वापसी की तेयारी कर रहा था। शाम हो गई थी। सैनिक खाना पानी के जुगाड़ कर रहे थे। अहमदशाह मायूस ऊँची पहाड़ी पर खड़ा शिवाजी की सेना का नजारा देख रहा था। उसने दूर-दूर तक फैले मैदान में जगह-जगह उठते धुएं के गुबार देखे। यह क्या है अपने मनसतदार से पूछा। जहाँ पनाह यह शिवाजी के सैनिकों के चूल्हे की आग है। सब जातियों के लोग अलग-अलग खाना बनाते हैं। अपनी रोटियाँ कपायेगें और अलग-अलग खाएंगें। क्या वे एक साथ खाना नहीं बना सकते। साथ खान बनाना तो दूर वे एक दूसरे का छुआ तक नहीं खाते। अहमदशाह ने मौके की नजाकत समझ ली। हुक्म दिया अभी आक्रमण करो। वह जान गया था कि छुआछूत के कारण सैनिक एक दूसरे को बचाने नहीं आयेगें। वही हुआ। इधर अहमदशाह का अखण्ड लश्कर और उध र खेमे में बटे शिवाजी के सैनिकं और लो 'मराठा जीती बाजी हार गये, अहमदशाह हारते-हारते जीत गया। इतिहास अनेक बार दोहराया गया है। लेकिन हमने इतिहास से कोई सीख नहीं ली।

द्रोण देहरादून, उत्तराखण्ड पश्चिम : शाखा द्वारा 'जॉली ग्रांट' अस्पताल देहरादून में 17 यूनिट रक्तदान किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका शुभासिनी डोमरी तथा मंजरी सक्सेना रहीं।

मेरठ संस्कार, हस्तिनापुर : शाखा द्वारा विकलांग शिविर का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर इण्टर कॉलेज में सम्पन्न हुआ। स्थानीय मूक बधिर विद्यालय के 24 बच्चों को श्रवण यंत्र, व्हील चेयर, बुजुर्गों को वैशाखी दी गई। सपरा ट्रस्ट के चेयरमैन ओ.पी. सपरा ने उपकरण बांटे। इस अवसर पर सुमन अग्रवाल अध्यक्ष के साथ ओजस्वी कविता नीरज, अंजली ने गीत प्रस्तुत कियें डॉ. एस. के. अग्रवाल संरक्षक का सहयोग रहा।

जघन्य हत्याकाण्ड

पंजाब प्रान्त के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के निकट जालियावाला बाग में 13 अप्रैल, 1919 (बैसाखी के दिन) 98 वर्ष पूर्व जघन्य हत्याकांड हुआ था। रौलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एक सभा हो रही थी जिसमें जनरल डायर नामक एक अंग्रेज ऑफिसर ने अकारण उस सभा में उपस्थित भीड़ पर गोलियाँ चलवा दी जिसमें 1000 से अधिक व्यक्ति मरे और 2000 से अधिक घायल हुए।

यदि किसी एक घटना ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर सबसे अधिक प्रभाव डाला था तो वह घटना जालियावाला बाग ही था। माना जाता है कि यह घटना ही भारत में ब्रिटिश शासन के अंत की शुरूआत बनी।

1997 में महारानी एलिजाबेथ ने, 2013 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविउ कैमरॉन ने, विजिटर्स बुक में लिखा कि ''ब्रिटिश इतिहास की यह एक शर्मनाक घटना थी।''

समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा एवं रेडियो एफ.एम. के तत्वावधान में एस.डी.मेडिकल इन्स्टिटयूट भोष रोड पर रक्तदान शिविर लगाया गयां अध्यक्ष मनोज सेठी, डॉ. पी.के.चाँद तथा अनिल कुमार ने वार्ता में बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्त की लाल कोशिकाएँ यदि दान न की जाए तो चार मास में स्वत: मृत हो जाती है। रक्तदान से रक्त कोशिकाओं का तेजी से निर्माण होता है। हमारा शरीर 24 घण्टे में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। श्री नीरज कुमार चेयरमेन, ध्रुव कुमार चेयरमेन एफ.एम. अतिथि रहे। गुरनाम ने 20वें जन्म दिन पर रक्तदान किया। कुल 38 यूनिट संग्रह हुआ।

पिलखुवा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन ज्योति राय प्रशासक नगरपालिका पिलखुवा ने सम्पन्न किया। श्री राय ने कहा कि रक्त एक प्रकृतिक तत्व है जिसका निर्माण नहीं किया जा सकता है। रोटरी क्लब के श्री सुभाष जैन ने परिषद् के शिविर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रक्तदान की जागरूकता तथा रक्तदान के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव गोयल ने बताया कि परिषद् रक्तदान शिविरों में महती भूमिका निभा रही है। ब्लड बैंक के डॉ. राज तथा डॉ. आर.के.दत्त की टीम ने जांच के बाद रक्तदान लिया। शिविर में सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

बोझा उतारिये - आगे बढ़िये

दो बौद्ध भिक्षु रास्ते से जा रहे थे। उनके गुरु ने उनसे बताया था कि रास्ते में स्त्रियों से जरा दूर रहना। स्त्रियों का स्पर्श, ज्यादा आकर्षण मत रखना। रास्ते में एक छोटा सा तालाब पड़ा, उसे पार करना था। वहाँ पर एक सुन्दर युवती खड़ी थी। युवती ने कहा मुझे डर लग रहा है। मैं तालाब पार नहीं कर पा रही हूँ। एक बौद्ध भिक्षु ने उसे कंधे पर टांग लिया और तालाब पार कर लिया। भिक्षु ने उसे उतार दिया और आगे चले गये। कुछ दूर जाने के बाद दूसरे भिक्षु ने उससे कहा आपने अच्छा नहीं किया। गुरु जी ने कहा था कि स्त्रियों से दूर रहना। पर आपने स्त्री को कंधे पर लाद लिया। तब भिक्षु बोला मैंने तो उसे उतार दिया, लेकिन तुम उसको अब भी दिमाग पर लादे हो। साथियों कितने सारे लोग कितनी चीजे दिमाग पर लादे रहते हैं। किसी ने कोई काम किया, आवश्यकता थी, पूरा किया, आगे बढ़ गया। हम कितनी बातें अपने दिमाग पर लादे हुए हैं उसने मेरे साथ ऐसा किया। उसने मेरे साथ गलत किया। उस समय उसने मेरा साथ नहीं दिया। उनको मेरे साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था। इतना बोझ लाद कर गाड़ी कैसे चलेगी। बैलगाडी, कार में भी ज्यादा सामान भर दो तो चलना कठिन होगा। हर दिन अपना बोझ उतारते चलो। हर दिन अपने कार्य स्थल से बोझ छोड़ते चलो। एक कदम आगे यदि कोई विवाद हो जाए तो दूसरे से कहना कि हमारे तुम्हारे बीच जो विवाद हुआ उसमें जो मेरी गलती है उसके लिए क्षमा। उसकी क्या गलती है इसकी जिम्मेदारी उसकी है। आप अपना बोझ उतारो। किसी दिन के विवाद को अगले दिन तक मत जाने दो। अगर यह विवाद अगले दिन चला गया तो उनके गांठे बनेगी। समस्या बढ़ेगी। बाहें फैलाओं लोगों को गले लगाओ आगे बढ़ो। जो छोटी बातो का बोझ लादेगा वह बड़ा नहीं बन सकता। बड़ा वही बन सकता है जिसका पात्र खाली होगा। भरे हुए पात्र में यदि अमृत भी आ जाए तो नहीं डाला जा सकता। भरी हुई अल्मारी में कोई समान नहीं रखा जा सकता। घड़ा वही भरेगा जब वह खाली होगा। यदि जिन्दगी में कुछ बनना चाहते हो, यदि जिन्दगी का आनन्द लूटना चाहते हो, यदि कोई उपलब्धि हासिल करना चाहते हो, यदि जीवन में खुश रहना चाहते हो बोझ नहीं होना चाहिए। यदि कुर्सी में एक कील चुभी है तो उस पर बैठने का आनन्द नहीं आ सकता। बड़ा वही बनेगा जो बोझ कम लादेगा। बोझा उतारिये आगे बढ़िये। - **उज्जवल पाटनी**।

पटना, दक्षिण बिहार : भारत विकास पुनर्वास विकलांग केंद्र एवं संजय आनन्द विकलांग अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर मानवता को समर्पित इस केन्द्र द्वारा 30 दिव्यांगों का नि:शुल्क पोलियो क्लब फुट एवं करेक्टिव सर्जरी तथा टेढ़े-मेढ़े विकृत हाथ-पैर के मररजों के अलावा 40 मरीजों का जांच परीक्षण, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.एस.झा की टीम द्वारा किया गया। डॉ. झा के साथ डॉ. दिव्येन्दु चौधरी, डॉ. ललित किशोर, डॉ. मिथिलेश, डॉ. वात्सायायन तथा पैरा मेडिकल टीम भी उपस्थित रही। इस अवसर पर बिमल जैन, विवेक माथुर, संजय ड्रोलिया, रेखा कसेरा एवं शहर के समाज सेवी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पुण्डीर, हरियाणा उत्तर : शाखा द्वारा योग चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें 725 नेत्र रोगी, 350 जनरल रोगियों का परीक्षण किया गया। दवाएँ नि:शुल्क दी गई। 112 रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया गया तथा चश्मा वितरण किया गया।

राधा कृष्ण : बाल भवन मधुवन तथा जिला विधिक सेवा द्वारा दवाईयाँ बांटी गई। सी.जे.एम. सूर्यचन्द्र कान्त और सुरेन्द्र भान चेयरमैन बाल कल्याण सोसायटी मुख्य अतिथि रहे।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी के द्वारा पोरवालटी डिपों के सहयोग से मेलखेड़ा राजकीय चिकित्सालय में विशाल नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित हुआ। 250 रोगियों की जांच की गई। 25 को ऑपरेशन के लिए चयनित

किया गया। रोगियों के आवास, भोजन, लेंस की सुविधा निःशुल्क रहेगी। संघचालक प्रताप सिंह परिहार तथा प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजेश चौधरी ने शिविर की तारीफ की। व्यापारी राम निवास धनोतिया ने दिसम्बर मास में नेत्र शिविर लगाने का संकल्प किया। अध्यक्ष विनोद काला, तथा प्रमोद चावड़ा, मुकेश, ओमेश, श्याम गुप्ता ने व्यवस्था संभाली।

गोदन का एक विद्यालय ऐसा भी

राजस्थान के गोदन गाँव का आदर्श माध्यमिक विद्यालय किताबी ज्ञान के साथ देश प्रेम और भाईचारे का पाठ भी पढ़ाता है। बच्चे प्रतिदिन भारत माता का पूजन करते हैं, नारी के सम्मान के प्रतीप स्वरूप सहपाठी बालिकाओं का मातृभाव से पूजन करते हैं अंग्रेजी मानसिकता के प्रतीक 'यस सर' के स्थान पर 'जय भारत' बोलते हैं, विद्यालय परिसर के एक गलियारे में भारतीय संस्कृति परम्परा और इतिहास के प्रतीक को सजाकर भारत दर्शन गलियारा बनाया गया है। विद्यालय के छात्र अतिथियों को तिलक लगाकर कलावा बांध कर गुड़ खिलाकर सम्मान करते हैं। - पाथेयकण से साभार।

Karimganj, Assam : Branch organized 30th Limb Measurement Camp on 12th February 2017 at Karimganj College, Karimganj. Dr. Sujit Kumar Nandi Purkayastha, Orthopaedic surgeon and Retd. Principal of Silchar Medical College & Hospital, Dr. Bishnu Pada Panda, Dr. Tapash Kumar Banik examined the patients. A total of 43 patients registered for the camp and 14 patients were selected by the doctors after examination for limb delivery.

Tezpur : Branch organized free eye cataract detection camp. Total 83 patients were checked up. 41 were found eligible for 101 surgeries. Surgery was conducted in Tejpur Eye Hospital. Secretary Ravi Tayal informed that the branch has constructed Pradhan – Dhara – A Purified drinking water both at Shankar Dev Shishu Vidya Niketan Mozgaon.

Birjhora : A free medical camp was organized at LPS school senteguri Tenagaigaon. Total 105 patients were checked up. Dr. K.N. Dev Sharma Retd. Govt. director health conducted the camp. Free medicines were distributed. Bhupender Kumar Sharma Treasurers and BVP team made arrangements. The branch observed Republic Day.

Patherkandi : A medical camp was organized at Indira LP schools near Banglatal. Dr. CTA Saki and Dr. Rakesh Hazorika examined 90 patients and distributed medicines free of cost blood sample and sputurn was collected and detected tuberculosis to one patients, diabetes and malaria.

SECRET OF HAPPY LIFE:

Do not educate your children – to be rich educate them to be happy – so when they grow up they will know the value of things not the price.

Eat foods as your medicine otherwise you have to eat medicines as your food. There were who loves you will never leave your because even if there are 100 reasons to give up. He will find one reason to hold on there is a lot of difference between human being and being human – a few understand it

You are loved when you are born, you will be loved when you die, in between you have to manage.

If you want walk fast – walk alone, if you want to walk far – walk together.

Six best doctors in the world.

1. Sunlight 2. Rest 3. Exercise 4. Diet 5.Self Confidence 6. Friends

Maintain them in all stages of life and enjoy healthy life. -**Ratan Tata** from London

Dibrugarh : The branch organized eye camp at Mamrup. About 458 patients were checked up. 40 patients were detected for operation. 31 patients were opened by Dr. Ramesh Agarwal at Drishti Netra Chikitsalya.

Alipore, Kolkata, West Bengal : The branch organized a blood donation camp, ENT. Checkup and dental checkup camp in association with Lion's Club. Total 59 units of Blood were collected. 70 other patients were checked up by dental and ENT. Surgeons. Urban development minister Sr. Firhad Hakum visited the camp and appreciated activities of BVP.

Bapu Nagar, Gujarat Central : A whole body check up-medical camp was organized a Nikol. Total 1000 people participated. Blood test were carried out at no cost. Dr. Bhavesh Thakkar, Dr. Tarum Madan, Dr. Naynesh Jiyani, Dr. Raxit Brahmbhatt and Dr. Jitendra Kotadia given guidelines on good health.

Bangaluru, Karnataka South : A free diabetic and well woman camp was organized 80 patients attended the camp.

श्री रंग जी, प्रान्त प्रचारक का प्रेरक उद्‌बोधन

प्रौढ़ साधना शिविर अमरकंटक (छत्तीसगढ़) : हमारा सौभाग्य है कि हम सब प्रौढ़ साधना शिविर में भाग लेने के लिए उपस्थित हुए हैं हमें मनुष्य जन्म मिला है और भारत में हमारा जन्म हुआ है। एक बार की बात है कि सभी जानवर इकट्ठा होकर ब्रह्मा जी के पास गये। हाथी ने कहा कि मैं बड़ा हूँ और बलशाली हूँ। हिरण ने कहा कि मैं बहुत सुन्दर हूँ, तेज दौड़ सकता हूँ फिर मनुष्य श्रेष्ठ क्यों हैं। ब्रह्मा जी बोले मनुष्य में बुद्धि है, विवेक है, विचार करने की क्षमता है। बुद्धि से वह सबको वश में कर लेता है, इसलिए मनुष्य श्रेष्ठ है। अगर हम में सोचने की शक्ति न होती हो क्या होता। यह भगवान का उपकार है। हम सब एक महान ऋषि परम्परा के लोग हैं हम कहते है कि हमारा अगला जन्म भारत में ही हो क्योंकि भारत का चिन्तन एक श्रेष्ठ चिन्तन है। भारत एक पवित्र देश है। भारत माता ने हमें सब कुछ दिया है, इसे हम मानते हैं। भारत के सर्वांगीण विकास का विचार करते हैं। एक समूह है, एक टोली है, सब मिलकर चलते हैं मिलकर काम करते है। सामूहिक विचार करते हैं। मनुष्य कई प्रकार के होते हैं- 1. नर राक्षस- जो दूसरों को कष्ट देने में आनन्द का अनुभव करते हैं। 2. नर पशु - जिनका दूसरों से कुछ लेना देना नहीं , उनको अपने लिए भोजन चाहिए। 3. नर मानव - उसमें संवेदनशीलता होती है। दूसरों के दुख में उसको दुख होता है। दूसरों के सुख में उसे खुशी होती है। 4. नर नारायण - जो दूसरों में भगवान का दर्शन करता है। दूसरों की पीड़ा समझता है, स्वयं नारायण बन कर दूसरों के कष्ट हरण करता है। हम नर से नारायण बनने वाले लोग हैं, सहयोग करते हैं आज के दूषित वातावरण के कारण मन पर इसका प्रभाव होता है। साध ना से हम संस्कार पर डटे रहते हैं। समर्पण हमारे जीवन का संकल्प होता है। हमें कुछ देना है, कुछ लेना नहीं है। देना कठिन होता है, लेना सरल होता है। विज्ञान, कला ओर धन देने का हमारा संकल्प है। नि:स्वार्थ भाव से देने का कार्य हम करते हैं। यह संस्कार हमें भारत विकास परिषद् से मिलता है। आज भारत सारे संसार में चर्चा का विषय है। हमारे तीज त्योहार, पर्वों के कारण हमें श्रेष्ठ मानते हैं परन्तु हमारे समाज में छुआछूत, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, रासायनिक खेती का प्रयोग, दुर्गुण और लज्जा का विषय है। मेरे भारत को श्रेष्ठ कौन बनाएगा? मैं बनाऊगा यह हमारा संकल्प है। जितना अधिक समर्पण करेंगे सज्जन शक्ति को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। प्राचीन गौरव, गाथाएं, बच्चों से संवाद, संस्कार प्रद कहानियाँ, शिवाजी, प्रहलाद, ध्रुव, पंचतंत्र की कहानियाँ बच्चों को संस्कार देने का काम करेंगे। यही आज की आवश्यकता है।

देश में पहली बार पद्‌म पुरस्कार समान्य आदमी को -

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रतिवर्ष पद्‌म पुरस्कारों की घोषण होती थी। कुछ ख्यातनामा लोगों को यह पुरस्कार मिलते रहे। यह पहली बार हुआ कि देश के सुदूर क्षेत्रों में ग्रामीण, वनवासी क्षेत्रों के कर्मठ लोगों को पद्‌म पुरस्कारों की घोषणा हुई। तब लोगों ने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की जानकारी मिलने का कौतूहल हुआ, आइये मिलते हैं - (1) थाईलैंड की राजकुमारी महाचक्री श्रिनघोर्षा और नेपाल की अनुराधा कोइराला को साहित्य शिक्षा, समाज सेवा के लिए तथा तीन अमेरिकी भारतीय को पुरस्कार मिला। (2 केरल की मीनाक्षी अम्मा (76) विगत 60 वर्षों से कलारिपट्टू नामक युद्ध कला, बालक बालिकाओं को सिखा रही हैं। (3) डॉ. भक्ति यादव (91) स्त्रीरोग विशेषज्ञ पिछले 60 सालों से गरीब गर्भवती महिलाओं की नि:स्वार्थ सेवा करती हैं। (4) जलपाईगुड़ी के करीमुलहक अपनी मोटरसाइकिल पर एम्बूलेंस चलाते हैं। गाँव के रोगियों को हस्पताल पहुँचाते हैं। (5) गुजरात के गेनाभाई पटेल दिव्यांग किसान हैं सुखा पीड़ित क्षेत्रों में कम पानी से सिचाई की नई तकनीक विकसित की। अनार की कृषि के बाद विदेश निर्यात होते हैं उन्हें अनार दादा कहते हैं। (6) विजयवाड़ा के वी.क.केटेश्वरम्मा (92) 1945 में प्रथम स्नातक बनी। स्त्री शिक्षा का आन्दोलन चलायां (7) तेलंगाना के दरिपल्ली रमैय्या (70) ने 40 सालों में 1 करोड़ पेड़ लगा दिये। प्रतिदिन वृक्षारोपण करते हैं (8) बड़ौदा के डॉ. सुब्रतो दास (56) राज मार्गो पर हुई दुर्घटना की सूचना उन्हें मिलती हे वे सहायता के लिए तैयार रहते हैं (9) कोलकता के विपिन गनत्रा (60) ने पिछले चालीस सालों में आग से पीड़ित लोगों का दुख दूर कर रहे है। (10) केरल के कुन्हीरमन (100) आज भी शिष्यों को कत्थकली सिखा रहे हैं। जबकि उनका एक पैर दुर्घटना में टूट चुकी है। (11) तेलंगाना के चिन्ता किन्दी मल्लेशम (44) ने एक ऐसी मशीन मनाई जिससे रेशमी साड़ियों की बुनाई कम समय मे हो जाती है।

सामान्य जनों को पद्‌म पुरस्कार मिलने वाले कुछ समान्य जनों का परिचय कराया। सरकार की नियत को बधाई।

माननीय भागय्या जी का मार्गदर्शन

ट्रस्ट सोसायटी में सेवा कार्यों की कार्यशाला में माननीय भागय्या जी सहसर कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट और सेवा का कार्य लोकतांत्रिक पद्धति से चलता है। इसलिए इसमें पारदर्शिता होना आवश्यक हैं सेवा के द्वारा आर्थिक स्वालम्बन, शिक्षा क्षेत्र, विकलांग क्षेत्र में अंग लगाना, अस्वस्थ एवं कुपोषित लोगों को स्वास्थ्य मिले, इसलिए स्वजनों के लिए हम सेवा करते हैं। समाज के प्रति संवेदनशीलता है, समाज मेरा है, समाज से मेरा रक्त संबंध है। भारत की एकात्मता, सृष्टि भगवान का अंश है, यह भगवान का प्रतिरूप है। एकात्मता का निर्माण करना, जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। यदि मन में कटुता है तो प्रसन्नता नहीं हो सकती। चित्तशुद्धि, वाक शुद्धि और आचरण शुद्धि होना चाहिए। एकात्मता की अनुभूति निर्माण करना परिषद् का उद्देश्य हैं राजसत्ता के आधार पर काम करना परिषद् का उद्देश्य नहीं है। राजनीति समाज में एकात्मता निर्माण नहीं कर सकती। स्कूल में अध्यापन हो, स्वास्थ्य मिले, पौष्टिक आहार मिले, व्यसन मुक्त समाज, दुराचार मुक्त समाज, गौपालन, गुरुकुल पद्धति, जैविक कृषि आदि। यह समाज परिवर्तन का कार्य है। महापुरुषों का स्मरण, श्रेष्ठ गुणों का विकास हमारा दायित्व है। विवेकानन्द, महावीर, बुद्ध, रैदास, सुभाष, शिवाजी का स्मरण कर एकात्मता का निर्माण करें समूहगान, भारत को जानो कार्यक्रम नही है, प्रतियोगिता भी नहीं है, यह समाज में एकात्मता निर्माण का आधार है।

सेवा करने वालों को जीवन दृष्टि नहीं रही तो अहंकार आता है। प्रेम, करूणा, परोपकार, संवेदनशीलता गुणों के आधार पर काम करना है। परिषद् क्लब नहीं है, सेवाभावी संगठन हैं बालिका गोद लेना, बच्चों को श्रेष्ठ मानव बनाना आदिं भगिनी निवेदिता का जीवन एक आदश्र हैं भोजन- ईश्वर का प्रसाद है। न्यासी को धर्म की रक्षा के लिए होना चाहिए। पद का अहंकार नहीं। मैं श्रेष्ठ हूँ ठीक हो सकता है लेकिन मैं ही श्रेष्ठ हूँ यह उचित नहीं है। संगठन शाश्वत है, व्यक्ति शाश्वत नहीं है। नये कार्यकर्त्ताओं का निर्माण कर श्रेष्ठ परम्पराओं का निर्माण हमें करना है।

अभिनन्दन 2017 (उत्तर मध्या रीजन)

ऐतिहासिक नगरी हस्तिनापुर के जम्बूदीप परिसर में उत्तर मध्य रीजन के 11 प्रान्तों के परिषद् प्रकल्पों तथा श्रेष्ठ रिपोटिंग के आधार पर 'अभिनन्दन 2017' का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केशव दत्त गुप्ता ने कहा कि परिषद् के प्रकल्पों से पहचान बनी है। सेवा के प्रकल्प हमारे जीवन में अनुभव और पहचान बनाते हैं। हमें समान्य लोगों की उदासीनता को सक्रियता में बदलना होगा। सम्मान का संचालन डॉ. तरुण शर्मा, डॉ. चम्पा श्रीवास्तव, मनोज गोयल, सुनील खेड़ा एवं कुलभूषण जी ने किया। क्षेत्रीय स्तर पर जल संरक्षण, बेटी बचाओ, नशा मुक्ति, समूहगान, भारत को जानो, रक्तदान, दिव्यांग सहायता सेवा, ग्राम विकास के सम्मान प्रान्तों को प्रदान किये गयें नीति के सम्पादक डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता ने मीडिया सेल के प्रारंभ होने तथा केन्द्रीय मीडिया के ईमेल, फेसबुक तथा समाचारों, फोटो को अपलोड करने की जानकारी दी। देश के सभी परिषद् संबंधी व्हाट्सअप्प समूह की रीजन, प्रान्त और शाखा स्तरीय एकरूपता का निर्देश भी दिया गया। वर्ष 2017-18 में विशाल रक्तदान महाभियान को सम्पन्न करने के लिए। सभी शाखाओं को तैयारी करने तथा स्थापना दिवस से रक्तदान शिविरों के आयोजन, रक्तदाताओं का पंजीकरण के निर्देश दिये गये। इस वर्ष रक्तदाता के डाटाबैंक तथा देश के सभी प्रान्तों में रक्त उपलब्ध कराने की योजना है। नेत्रदान के लिए प्रान्तीय तथा शाखा स्तर पर नेत्र बैंकों में नेत्रदान सहायक का पंजीकरण, संकल्प पत्र तथा नेत्रदान पर इस वर्ष विशेष प्रयास किये जाएगें।

जम्बूदीप के प्रबन्धक अनिल जैन का आभार किया गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में सम्पन्न अर्पण-योजना में 26000 वस्त्र, खिलौने, एकत्र होने में दैनिक जागरण के सहयोग को सराहा गया। संयुक्त महामंत्री डॉ. आर.बी. श्रीवास्तव, संजीव कुमार बंसल के साथ चेयरमैन अनुराग दुबलिश, प्रान्तीय अध्यक्ष बी.के.सिंघल, एस.एन.बंसल के साथ प्रान्तीय टीम ने व्यवस्था संभाली।

साधना क्या है - श्री रविराज सिंह , एडवोकेट

झूसी (प्रयाग) में आयोजित प्रौढ़ साधना शिविर में श्री रविराज सिंह ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि साधना प्रत्येक व्यक्ति करता है। लक्ष्य क्या है। बिना साधना के कोई लक्ष्य प्राप्त नहीं होता। जो यहाँ छूट जाएगा उसकी चिन्ता नहीं करना। जो साथ जाएगा उसका अर्जन ही साधना है। वाल्मीकि के लक्ष्य को लक्ष्य मिला नारद से। विवेकानन्द को लक्ष्य मिला स्वामी रामकृष्ण परमहंस से। जागृत आस्था का आगमन साधना का लक्ष्य है। कामना की पूर्ति साधना का लक्ष्य नहीं है। साधना का पहला सोपान है हृदय की शुचिता। प्राप्त की अप्राति का भाव, मोह का नष्ट होना, शत्रु मित्र भाव का लोप, कमाना शून्य होना। साधना को कुछ लक्षण है। रोग मुक्त शरीर, अभिमान जन्य सुख, मनोरंजन जन्य सुख से प्राप्ति होता हैं निषिह आचरण, पाप से बचना, अस्थि चित्त, अशान्तमन, साधना की बाधाएँ हैं। योग और ध्यान साधना का मार्ग है।

आओ कुछ हंस लें-

1. **हिन्दी को सरल बताते हैं पर है ज़रा कठिन, आइए देखें।**

   शिक्षक - राम स्वरूप बीमार था। फलस्वरूप मर गया। सब लोग इसका अंग्रेजी में अनुवाद करें।

   पप्पू - मास्टर साहब। राम स्वरूप बीमार था तो फलस्वरूप क्यों मरा।

   शिक्षक - मूर्ख इसका मतलब है कि राम स्वरूप बीमार था। परिणाम स्वरूप मर गया।

   पप्पू - लो अब तीसरा मर गया। जो बीमार है वो क्यों नहीं मर रहा।

2. **टीचर** - कौन पक्षी सबसे तेज उड़ता है।

   स्टूडेन्ट - हाथी

   टीचर - नालायक। तेरा बाप क्या करता है।

   स्टूडेन्ट - दाऊद के गैंग में शूटर है।

   टीचर - शावाश! लिखो बच्चों 'हाथी'।

3. **एक रात एक चोर सरदार** के घर में घुसा। पिस्तौल दिखाकर बोला बता सोना कहाँ है।

   सरदार - अबे उल्लू के पट्ठे। इतनी सी बात के लिए पिस्तौल दिखाने की क्या जरूरत है। पूरा घर खाली पड़ा है। चाहे जहाँ सो जा।

4. **संता के बेटे** का एक्सीडेंट हो गया।

   डॉक्टर - आपके बेटे के दोनों पैर काटने पड़ेंगे।

   संता - अपना सिर पकड़ लिया।

   डॉक्टर - क्या हुआ।

   संता - कल ही नालायक को नई चप्पल दिलाई थी।

5. **एक गाँव का बेटा** - कम्प्यूटर की दुकान पर गया।

   बोला - सुना है आजकल सब काम कम्प्यूटर से हो जाते हैं।

   बारिस नहीं हो रही है। जरा पानी डाउनलोड करवाना है।

6. **पहला दोस्त** - यार मेरी बीबी गुस्सा बहुत करती है।

   दूसरा दोस्त - मेरी भी पहले करती थी। अब नहीं करती।

   पहला दोस्त - तुमने क्या इलाज किया।

   दूसरा दोस्त - एक दिन गुस्से में थी। मैंने कह दिया। बुढ़ापे में गुस्सा आ ही जाता है।

   बस वो दिन है कि आज का दिन तेज आवाज में भी बात नहीं करती।

7. **एक बच्चा पार्क** में बेंच पे बैठा एक के बाद एक चॉकलेट खाता जा रहा था। पास बैठी ऑन्टी बोली ज्यादा मीठा खाने वाले जल्दी मर जाते हैं। बच्चा - आपको मालूम है कि मेरी दादी की उम्र 106 साल थी जब वह मरी थी।

   ऑन्टी - वो मीठा कम खाती होगी। बच्चा - नहीं वो अपने काम से काम रखती थी।

8. **भारतीय पत्नी संस्कारों वाली होती है**, वो कभी सबके सामने अपने पति को, "Abe Gadhe" "Oye Gadhe" "Sun Gadhe" नहीं बोलती, इसलिए वो Short में "A.G./O.G./Suno G" कहती है।

9. **बचपन में मम्मी कहती थी** कि जब कोई उलटे हाथ से खाना खाता है तो वो खाना शैतान के पेट में चला जाता है, इसलिए मैं उलटे हाथ से सिगरेट पीता हूँ, ताकि शैतान का फेफड़ा खराब हो जाए।

बुलेट समाचार

- द्रोण-देहरादून (उत्तराखण्ड पश्चिम) द्वारा 17 यूनिट रक्तदान किया गया।
- विकलांग सेवा न्याय पटना में अबतक 1701 पोलियो करेक्टिव सर्जरी के ऑपरेशन सम्पन्न हुए।
- समर्पण (उत्तराखण्ड पश्चिम) द्वारा रक्तदान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कुल 50 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।
- औरैय्या शाखा द्वारा बड़ी मात्रा में कपड़े निर्धन परिवारों को बांटे गये।

अशोक मेहता - अपर महान्यायवादी भारत सरकार

भारत विकास परिषद् के झूसी (प्रयाग) में आयोजित प्रौढ़ साधना शिविर में श्री अशोक मेहता ने परिषद् के प्रथम सूत्र सम्पर्क को भावनात्मक रूप से सत्संग की क्रिया से जोड़ा। सहयोग के बारे में उन्होंने कहा कि सहयोग से हम सर्वोदय से अन्तयोदय तक की यात्रा करते हैं। संस्कार और सेवा के द्वारा ब्रह्माण्ड के कल्याण के लिए समर्पण हमारा उद्देश्य है। अपने दायित्व के बारे में यदि विचार करेंगे तो संविधान के द्वारा हमें जो दायित्व मिले हैं वह है एकीकृत सामन्जस्य पूर्ण एकात्म समाज रचना। संविधान का संकल्प क्या है? यह हमारी संस्कृति से जुड़ा हैं हमारा परिवार सुखी हो, सभी प्रसन्न रहे। भारत एक सुखी राष्ट्र हो, यह हमारा सामूहिक कर्तव्य हैं। हमारी माँ की प्रसन्नता भारत माता की प्रसन्नता होगी। परिवार में न्यूनतम 5 पठ्नीय पुस्तकें होना महती आवश्यक है। परिवार में मानस तथा प्रेरणाप्रद पुस्तकें का सामूहिक पठन परिवार के लिए सामूहिक प्रेरणा का स्रोत हैं स्वच्छ घर, पर्यावरण संरक्षण, पोलिथीन रहित घर, आदर्श परिवर बनें।

न्याय दर्शन के लिए हमें मानव मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया गया। व्यक्तिगत न्याय प्रक्रिया, राजनीति में सिद्धान्तों का विचार रहे। आत्मा पर कोई दबाव न हो, चरित्र के साथ ज्ञान, नीति के साथ व्यापार, श्रम के साथ धन प्राप्ति, मानवता के संरक्षण के लिए विज्ञान और त्याग के साथ ईश अराधना हमारा दायित्व है।

एक सीख

अमेरिका की एक कम्पनी ने जापान अपना कार्यालय खोलां जापानी लोगों को नौकरी दी। अमेरिका में एक कहावत है कि पाँच दिन एवं गधे की तरह काम करों और दो दिन बंदरों की तरह मस्ती करों। कम्पनी ने अपने कर्मचारियों को दो दिन का अवकाश रखा। कुछ दिन बाद कम्पनी के कर्मचारियों में असंतोष दिखाई पड़ा। कम्पनी के मैनेजर को असंतोष का कारण समझ में नहीं आया। तब कर्मचारियों को बुलाकर उनसे पूछा आपको क्या कष्ट है।? क्या वेतन कम है या काम का बोझ अधिक है। इस पर एक जापानी ने कहा महोदय हमें सप्ताह में दो दिन की छुट्टी नहीं चाहिए। हमारे लिए एक ही रविवार काफी है। हमें दो दिन की छुट्टी आलसी और अकर्मण्य बना देगी। हम चाहते हैं कि पूरे छः दिन हम अपनी ऊर्जा का उपयोग उत्पादन बढ़ाने में करें। और महोदय शनिवार की छुट्टी के कारण हम उस दिन अधिक खर्च कर देते हैं तो ऐसी छुट्टी का क्या लाभ जो फिजूलखर्ची को बढ़ावा दे और आलसी बनावे। शायद इसी भावना के कारण विश्वयुद्ध में कंगाल हो जाने के बाद भी जापान ने इतनी प्रगति की ली।

डॉ. जी.सी.त्रिपाठी, कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

प्रौढ़ साधना शिविर झूसी (प्रयाग) में कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा - हमें एक शक्तिशाली देश का निर्माण करना है। देश के विकास का दायित्व नागरिकों पर होता है। हमारा लम्बा इतिहास दर्शन, हमारा वैचारिक अधिष्ठान है। अनेक गतिरोधों के बावजूद हमारा सांस्कृतिक प्रवाह बना रहा। संस्कृति परमत्मा का विग्रह हैं परिषद् सुखी हो, हमारे पुरुषार्थ में अर्थ भी महत्वपूर्ण हैं। सृष्टि के कल्याण में समाधिस्थ होना मोक्ष है। 20वीं शताब्दी के छठवें दशक में विवेकानन्द, दयानन्द तथा मालवीय जैसे प्रखर राष्ट्रवादी नेताओं ने संस्कृति के प्रवाह को बनाए रखा। मालवीय जी के विजन के कारण ज्ञान की संप्रभुता का निर्माण हुआ। इसलिए हिन्दू विश्वविद्यालय एक राष्ट्रीय संस्थान है। यह ज्ञान का एक संपूर्ण समग्र मॉडल है। शिक्षा मस्तिष्क का परिमार्जन करती है। यह सत्य के मूल में प्रतिष्ठित होनी चाहिए। हमारी संस्कृति में पुरुष और महिला का अलग-अलग विचार नहीं हुआ। सफल पुरुष का स्रोत एक नारी होती है। इसीलिए संस्कृति में नारी को नर से पहले स्थान मिला। राम का महत्व सीता से और शंकर का महत्व पार्वती से है। वर्तमान में अनेक समस्याएं विदेशी शासन के कारण आई। इनका समाधान भारत का अनुशासित युवा ही कर सकता है।

राजस्थान दक्षिण पूर्व, छाबड़ा : शाखा द्वारा तहसील स्तर पर भारत को जानो के 51 स्कूलों के 110 बच्चों ने भाग लिया। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में 10 स्कूलों के 10 अध्यापकों तथा 35 छात्रों को सम्मानित किया गया। शहर में वस्त्र वितरण कर जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित किये गये। आँख, कान, गला रोग पीड़ित मरीजों के लिए विशेष जांच शिविर आयोजित किया गया। महिला सदस्यों द्वारा वसंत उत्सव पर नाटक, गीत संगीत प्रस्तुत किये गये। प्रान्तीय उपाध्यक्ष मृदुला जैन, सोनू, मंजू, संजू, किरण, ज्योति, नीतू, रीता ने गरीब बस्तियों में कपड़े बांटे।

सुभाष कोटा : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शाखा की महिला सदस्यों द्वारा परिषद् को कोटा चिकित्सालय की महिला कर्मचारियों का अभिनन्दन किया गया तथा उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 170 महिला कर्मियों का अभिनन्दन किया गया।

विवेकानन्द कोटा : विशाल नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर श्री देवनारायण सामुदायिक भवन सकतपुरा कोटा में आयोजित किया गया जिसमें 200 ओपीडी व 42 व्यक्तियों को ऑपरेशन के लिये चिन्हित किया गया। डॉ.छाबड़ा ने सभी की जांस कर हॉस्पिटल में रेफर किया। सुधीर शर्मा ने कार्य हेतु विशेष आर्थिक सहयोग दिये। इस अवसर पर हरिओम विजय, अध्यक्ष आदित्य नाथ झा, सचिव, ओपी.गुप्ता, कोषाध्यक्ष सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान दक्षिण, कपासन (चित्तौड़गढ़) : श्री ओंकेरवश्र पंवार ने विनोबा जी के भूदान आन्दोलन से देहदान तक की लम्बी यात्रा में राष्ट्र के प्रति समर्पण को रेखांकित किया। सामाजिक कुरीतियों, अस्प्रश्यता, पर्दाप्रथा का उन्मूलन करने के आन्दोलन चलाया। वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से संस्कार के विभिन्न प्रकल्पों के द्वारा धर्मान्तरण रोकने का प्रयास किया। बांगड़ के आदिवासियों के साथ रामजन्म भूमि आन्दोलन में अयोध्या गये जहाँ इटावा जेल में बंद रहे। उच्च मानवीय जीवन मूल्यों का गहरी निष्ठा के कारण उनका जीवन जल में कमल के समान रहा। उनका देहदान आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज को शोधार्थियों के अध्ययन के लिए दिया गया। शाखा अध्यक्ष प्रभुलाल टेलर के भाई ओंकारेश्वर पवार का हृदयगति रूकने से निधन हो गया। उनके देहदान कर संकल्प परिवारजन श्याम लाल, प्रभुलाल, रमेश जी, महेश जी, किशोर जी के सहयोग से सम्पन्न हुआ। श्री पवार के शरीर को रवीन्द्र नाथ टैगेर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय उदयपुर को चिकित्सकीय अनुसंधान के लिए सौंप दिया गया।

भामाशाह-उदयपुर : शाखा द्वारा मेडिकल छात्रों के जन्म दिन पर ट्री गार्ड सहित पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों का विशेष सहयोग रहा। स्थानीय पूजा पार्क में तुलसी पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सत्यनारायण माहेश्वरी, मुख्य अतिथ, डॉ. एम.जी. वार्ष्णेय रीजनल सचिव व कार्यक्रम अध्यक्ष ने तुलसी पूजन का वृतांत एवं महत्व बताया। औषधी क्षमता, नकारात्मक वातावरण हटाना तथा पय्रावरण दृष्टि से प्रत्येक सदस्य के जन्मदिन पर पौधारोपण करने तथा तुलसी पौधा भेंट करने का संकल्प लिया।

उदयपुर : 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर उदयपुर नगर में तिरंगा उत्सव मनाकर परिषद् ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव का भाव निर्माण किया। इस महिमा से जुड़कर लोगों ने घरों में तिरंगा लहराया, मिठाई बांटी, झण्डे को सलामी दी। विभिन्न स्कूलों में 25000 विद्यार्थियों ने अपने घर पर तिरंगा लगाने की शपथ ली। इस अवसर पर स्वच्छता रखने, यातायात नियमों का पालन करने, माता पिता गुरु का सम्मान करने, जन्म दिन पर पौधा लगाने, स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करने की भी शपथ ली गई। इस उत्सव पर मेयर चन्द्र हंस कोठारी, कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा, राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत, बी.एन. संस्थान के एम.डी. डा. निरन्जन नारायण सिंह खोड़ा, गुरु नानक संस्थान के सचिव अमरपाल सिंह पाहवा ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

राजस्थान मध्य, प्रान्त स्तर की सेवा कार्यों के अनुसार प्रान्त की 9 शाखाओं द्वारा 19 जोड़े नेत्र दान कराये गये। दिव्यांग सहायता में 4 शाखाओं द्वारा 31 कृत्रिम पैर, 13 कृत्रिम हाथ, 19 कैलिपर्स तथा 36 वैसाखी की सहायता दी गई। 4 शाखाओं द्वारा लगभग 8000 की सामग्री गौशाला में प्रदान की गई।

भीलवाड़ा : विवेकानन्द जयन्ती, मकर संक्रान्ति, उत्सव कार्यक्रम सदस्यों के द्वारा सम्पन्न हुआ। गौ-ग्रास पर गायों को चारा गुड़ खिलाया गया। आर.के.हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर लगाया गयां गणतंत्र दिवस पर बच्चों को पुरस्कार दिये गये।

उत्तराखण्ड पश्चिम, अविरल गंगा, रुड़की : ग्राम मतलबपुरा के राजकीय प्राइमरी स्कूल में बच्चों के लिए बैंच प्रदान की गई। उपशिक्षा अधिकारी रीना राठौर उपस्थित रही। श्री

विजय कुमार, सुनीज जैन, वंदना, मोहन ने सहयोग किया।

हस्तिनापुर, समृद्धि मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा बैडमिन्टन टूर्नामेंट का आयोजन कर मतदान करने का संदेश दिया गया। मनोज सेठी ने बताया कि खेल को प्रोत्साहन देना तथा मतदान का महत्व बताना इसका उद्देश्य था। जिलाध्यक्ष नवीन सिंहल ने विजेता खिलाड़ियों अजय अग्रवाल, डॉ. विनोद वर्मा, अर्चना बंसल, सीमा राजवंशी को पुरस्कार दिये। शाखा ने उड़ान उम्मीदों का कार्यक्रम के अन्तर्गत सहजनी तगान ग्राम के सखी पब्लिक स्कूल में 300 हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सफलता के सूत्र बताए गये। विद्यार्थियों को जीवन का लक्ष्य बताया, पढ़ाई और सफलता के टिप्स, पढ़ते समय नींद आना आदि समस्याओं पर विमर्श हुआ। परीक्षा में सफलता के लिए पांच सूत्र बताये गये। 1. मेज पर बैठकर 4-5 घन्टे नित्य पढ़ना, 2. विस्तर पर लेट कर नहीं पढ़ना, 3. विषय वार टाइम टेबल बनाकर पढ़ना, 4. सामूहिक अध्ययन करना, 5. विज्ञान के पढ़ाई में विशेष समय देना। आयोजन में मनोज सेठी, अरुण खण्डेलवाल और कृष्ण कुमार जी सम्मिलित रहे।

विवेक मुजफ्फरनगर : नव वर्ष समारोह 2017 में परिवार मिलन में गेम, गीत, संगीत तथा बच्चों द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तथा यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई। मलिन बस्ती में कम्बल तथा ऊनी कपड़ों का वितरण किया गयां छात्राओं के लिए प्रेरणादायी कार्यशाला सम्पन्न की गई। मुख्य वक्ता अनुराग सिंघल रहे। छात्राओं के आत्म विश्वास, संस्कारक्षम, बहादुर बनने के टिप्स दिये गये। कार्यशाला में प्रधानाचार्य निरूपमा जी का सहयोग रहा। इन्दू मिश्रा, अर्चना, आलका, सीमा अग्रवाल, निधि वर्मा महिला संयोजिका उपस्थित रहीं। वैदिकपुत्री विद्यालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर एक कला प्रतियोगिता आयोजित हुई। मुख्य अतिथि डॉ. एस.सी.कुलश्रेष्ठ, सुरेन्द्र सिंधी, मुकेश विन्दल एवं नीरू शर्मा को सम्मानित किया गया।

मुजफ्फरनगर मंजरी : शाखा द्वारा निर्धन बच्चों की गर्म कपड़े वितरित किये गये। छात्रों के लिए प्रेरणादायी कार्यशाला के वक्ता अनुराग सिंघल रहें छात्रों को आत्म विश्वासी, प्रतिभावान तथा संस्कारी बनने के टिप्स दिये गये। छात्राओं को मौखिक साक्षात्कार से उनमें आत्म विश्वास भरा गया। प्रान्तीय चेयरमैन संस्कार शशिकान्त मित्तल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। इन्दु मिश्रा, अचला, अल्का, सीमा, निधि, कुलदीप, मुकेश गिरीश तथा जिला महिला संयोजिका मानसी वर्मा का योगदान रहा। कला प्रतियोगिता में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। महिला सभा में स्लोगन, पोस्टर प्रतियोगिता हुई - सचिव अनीता सिंह।

उत्कर्ष-मेरठ : शाखा द्वारा वैश्य अनाथालय में अनाथ बच्चों के लिए खाद्य सामग्री दी गई। शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। 180 यूनिट रक्तदान हुआ। लोकप्रिय नर्सिंग होम हॉस्पिटल बैंक में जमा हुआं गुरु गोविन्द सिंह तथा स्वामी विवेकानन्द पर परिचर्चा आयोजित की गई। ण्क स्पोर्ट सभा सूरजकुड वार्ड में हुई। खेल प्रतियोगिता रस्सा खीच, तम्बोला, बेलन दौड़ बचचों की दौड़, क्रिकेट, नीबू दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये।

पश्चिम बंगाल के ताजा हालात

देश में जनसांख्यिकी असंतुलन की चर्चा अगर दबे शब्दों में भी कर दी जाए तो सेक्यूलर मीडिया इस अल्पसंख्यको पर हमला मानकर बहस का मुद्दा बना देता हैं गत तीस वर्ष की जनगणना का विश्लेषण और पश्चिम बंगाल, केरल के राज्यों के साथ अनेक राज्यों के चिन्हित इलाकों में अल्पसंयक समुदाय की बर्बरता के प्रभाव समाचार पत्रों में एक मामूली समाचार बन कर रह जाते हैं अनेक कारणों से पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की सरकार की मुस्लिम तुष्टीकरण नीति, बांग्लादेशी घुसपैठ और अवैध नागरिको के राशन कार्ड, पहचान पत्र और उनके भारतीय नागरिकता के किस्से कहीं भी सुने जा सकते हैं मालदा जिले की घटना के बाद अब पूरे राज्य में मुस्लिम प्रभाव के लिए शिक्षा विभाग के आदेश जारी किये गये। राज्य मंत्री सिद्दीकुल्ला चौधरी ने सभी स्कूलों में मिलाद उल नवी उत्सव मनाने का आदेश जारी कर दिया। यद्यपि स्कूलों ने यह उत्सव मनाने से इन्कार कर दिया तब भी अनेक स्कूलों में घुसकर कट्टरपंथियों ने शिक्षकों, छात्रों को प्रताड़ित किया और भवन पर इस्लामी झंडा फहराया। जनसंख्या के असंतुलन के कारण बंगाल में टैगोर, बंकिमचन्द्र और अली नजरुल इस्लाम का नाम शेष रह जाएगा। असुरक्षा के साये में समाज खौफ में

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, साहिबाबाद विराट : शाखा द्वारा कन्नौज प्राथमिक विद्यालय के 40 बच्चों के लिए स्वेटर, जूते, मौजू दिये गये। लोहड़ी का कार्यक्रम तथा विवेकानन्द जयन्ती पर डॉ. एस.एस. शर्मा, जे.पी.गर्ग का उद्बोधन हुआ। हरिजन बस्ती में ऊनी कपड़ों का वितरण, अर्पण अभियान में किया गया। सचिव मंजू मोहन शर्मा के अनुसार गणतंत्र दिवस पर पिकनिक मनाई गई।

साहिबाबाद : शाखा द्वारा पिछले अनेक वर्षो से चलने वाले स्थायी सेवा कार्यो की सूची प्राप्त हुई। सक्रिय एवं आदर्श शाखा अनेक अच्छी परम्पराओं को संचालित कर रही है- 1. स्वर्गयान (अन्तियात्रा वाहन) नि:शुल्क संचालित है। 2. रेलवे स्टेशन पर पानी की ट्रॉली का संचालनं 3. नगर निगम के 5 स्कूलों में आर.ओ. पीने के पानी व्यवस्था। 4. वर्षाजल पनर्भरण की एक

स्कूल में स्थापना। 5. इण्टर कॉलेज में पीने के पानी की टंकी की स्थापना। 6. होम्योपैथिक परामर्श चिकित्सालय। 7. ऐलोपैथिक परामर्श चिकित्सालय 8. विकलांग सेवा, नेत्र ऑपरेशन, हियरिंग एड प्रदान करना। 9. मंदिर पर स्थायी प्याऊ की व्यवस्था। 10. नगर निगम स्कूलों में दरी प्रदान करना। 11. स्कूलों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण। 12. तीन दिवसीय नव वर्ष मेला का आयोजन। 13. 12 मेधावी छात्रों को रुपये 5100/- प्रति छात्र सहायता प्रदान। 14. गोपालधाम में रुपये 30000/- वार्षिक सहयोग। 15. भारत विकास फाउण्डेशन दिल्ली को रुपये 21000/- की राशि का सहयोग। 16. प्रतिवर्ष 5 सरकारी स्कूलों में शीतकालीन वस्त्रों का वितरण।

सिकन्द्राबाद : शाखा द्वारा परिवार सौहार्द, मधुर व्यवहार, मितत्थियता विषय पर परिवार गोष्ठी में विमर्श हुआ। बाल संसकार शिविर में 31 बच्चों को संस्कार नैतिक शिक्षा आदि विषयों पर चर्चा की गई। योग के महत्व तथा स्वस्थ शरीर के बारे में बच्चों को बताया गया। युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द के जीवन तथा दर्शन पर प्रकाश डाला गया। मकर संक्रान्ति पर्व पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रकाशोत्सव पर्व पर परिषद् सदस्य गुरुद्वारा में सम्मिलित हुए गायक मंडलियों ने मोहक गीत प्रस्तुत किये। गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

शक्ति-गाजियाबाद : शाखा द्वारा कश्मीरी विस्थापितों को राशन दिया गया। आसरा सेवा संस्थान के अनाथ बच्चों को राशन बिस्कुट, फल दिये गये। गणतंत्र दिवस पर झंडा रोहण किया गया। अनाथ बच्चों का दन्त चिकित्सा शिविर लगाया गया। बसंतोत्सव मनाया गया। श्रीमतह पद्मा जिन्दल सहित शाखाा सचिव शशि मिश्रा का विशेष सहयोग रहा।

हापुड़-माधव : शाखा द्वारा गुरुनानक विद्यालय के बच्चों को ड्रेस वितरण किया गया। कई विद्यालयों में यातायात नियमों के चिन्ह का फ्लेक्स बनाकर लगाया गया। नीरज गोयल का विशेष सहयोग रहां भारत को जानो विजयी छात्रों को पुरस्कार दिया गयां महिला सम्मेलन में पोस्टर प्रतियोगिता में मिहिक गर्ग का पोस्टर प्रशंसनीय रहा। मतदान की जागरूकता के लिए मतदाता जागरण कार्यक्रम चलाया गया।

मुरादनगर : प्रान्त की इस सत्र की 11वीं नवगठित शाखा का शुभारंभ किया गया। मुरादनगर क्षेत्रवासियों ने वीरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष, योगेन्द्र गुप्ता, सचिव, हरिश जिन्दल, निवर्तमान उपाध्यक्ष भारत विकास परिषद रहे। मनोज अवस्थी, सह सम्पादक नीति एवं प्रान्तीय उपाध्यक्ष अमित बुधिया, जे.पी.गर्ग सहित अन्य गणमान्य व्यकित उपस्थि रहे।

उत्तराखण्ड पश्चिम, कोटद्वार : शाखा के तत्वावध ान में 19 फरवरी को आयुष्मती रूपा पुत्री स्वर्गीय ओम प्रकाश निवासी आमपड़ाव, कोटद्वार का विवाह श्री कुश प्रसाद निवासी रुड़की से सम्पन्न कराया। कोटद्वार शाखा ने नवदम्पति को जीवन उपयोगी सामग्री जैसे पलंग, रजाई, गद्दे, रसोई का सामान, बर्तन आदि भेंट स्वरूप दिये। इस अवसर पर योगम्बर सिंह रावत (सेवा निवृत्त डी.आई.जी.) सहित समाज के सभी गणमान्य व्यक्ति साक्षी बनें। लक्ष्मी नारायण चावला, कैलाश अग्रवाल अध्यक्ष, प्रदीप अग्रवाल सचिव आदि। हरीश मन्दौला, प्रान्तीय पाध्यक्ष ने बताया कि भारत विकास परिषद् निर्धन अभिवावकों की कन्या हेतु इस पुनीत कार्य में हमेशा भूमिका निभाती रहेगी।

प्रयाग, स्वर्णिम : शाखा द्वारा देवी जागरण, स्वास्थ्य संगोष्ठी, भगवत कथा का आयोजन किया गया। ज्वाला देवी स्कूल में भारत को जानो आयोजित हुआ। अहिंसा, शान्ति, ध्यान यज्ञ का आयोजन हुआ। तीज महोत्सव में मधु अस्थाना को तीज क्वीन बनाया गया। कृष्ण रूप सजना कार्यक्रम में 15 बच्चों ने भाग लिया। बाढ़ पीड़ितों को 300 पैकेट भोजन बांटा गया। नारायणी आश्रम स्कूल में गुरु वन्दन हुआ।

त्रिवेणी : शाखा द्वारा कवि सम्मेल का आयोजन किया गया जिसमें शिवराम उपाध्याय, मुकुल मतवाला, कविता उपाध्याय, कमल नारायण शुक्ला, दिनेश पाण्डेय आदि 20 कवियों ने गीत सुनाया। शाखा द्वारा एम.एल. कान्वेन्ट स्कूल में विवेकानन्द जी की मूर्ति का अनावरण राष्ट्रीय संगठन मंत्री सचिदानन्द पांडा ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय, योग संस्थान ने स्वामी जी के जीवन दर्शन पर प्रेरक उद्बोधन दिया।

काशी प्रदेश, आजमगढ़ : शाखा द्वारा विवेकानन्द जयन्ती के आयोजन पर एडवोकेट रवीन्द्र कुमार वर्मा ने विवेकानन्द के जीवन ओर उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सरस्वती वन्दना नन्दिनी बरनवाल तथा अंकित चौधरी ने प्रस्तुत की। स्वागत गीत पूजा, दिव्या ने गाया। डॉ. जे.आर विश्वकर्मा ने कहा दरिद्र की सेवा ही भगवान की सेवा है। डॉ. दीनानाथ लाल श्रीवास्तव, संरक्षक ने स्वामी जी के प्रारंभितक जीवन की कठिनाईयों, परमहंस से भेंट, शिकागो गमन, रामकृष्ण मिशन की स्थापना का विस्तृत विवरण दिया। मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन कर जिलाधिकारी श्री सुहास एल.वाई ने परिषद् को प्रशस्ति पत्र दिया। 17 फरवरी को शाखा की मासिक बैठक प्रतिभा निकेतन इण्टर कॉलेज अतलस पोखरा में शाखा अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारम्भ संरक्षक दीनानाथ ला श्रीवास्तव ने किया। अगामी सत्र के लिए कार्यारिणी में शाखा अध्यक्ष श्री अशोक कुमार अग्रवाल को प्रान्तीय उपाध्यक्ष पद के लिये मनोनित किया गया।

ब्रह्मावर्त, कन्नौज : चुनाव और मतदान की अंधी दौड़,

कटाक्ष करते नेतागण, धर्म ओर व्यक्तियों के लिए अपमान जनक शब्दों का प्रयोग ऐसी चुनावी तपिश में ताजी हवा का झोंका। कन्नौज शाखा ने सरस्वती विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति पूर्ण रंगारंग प्रस्तुत किया गया जिसे 500 बी.एस. एफ. के जवानों ने देखा और भरपूर आनन्द उठाया। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सरोज पाठक, शशिभूषण गुप्ता, रीजनल मंत्री उपस्थित रहे।

उन्नाव : शाखा द्वारा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया गया। बाबू खेरा मंजरे में एक सिलाई, बुनाई केन्द्र प्रारंभ किया गया है। श्री राधेश्याम अग्रहरि (पूर्व अध्यक्ष) ने कहा कि गाँवों में स्वावलंबन से ही देश का विकास होगा। उन्होंने चिकित्सा परीक्षण तथा निर्धन कन्याओं के विवाह पर बल दिया गया। डॉ. एच.डी. भारद्वाज ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के कौशल विकास से आदर्श, आत्म निर्माण प्राप्त होगी। संचालन श्यामवती व आभा माथुर ने किया।

फर्रुखाबाद : शाखा के आतिथ्य में गंगा के तट पर महाआरती का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। रेत पर शिवलिंग का निर्माण किया गया। रुद्राभिषेक तथा दीपदान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पांचाल घाट के दुर्वासा आश्रम पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने दीपदान तथा पूजन अर्चना में भाग लिया। अध्यक्ष के.के.पाठक के साथ डॉ. विनोद तिवारी, विनोद सैनी तथा सदस्यों ने गंगा किनारे वन विहार मना कर कार्यक्रम सम्पन्न किया। प्रभारी रामजी बाजपेयी एडवोकेट रहे।

किदवई नगर-कानपुर : 'राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका' विषय पर महाराज अग्रसेन भवन में गोष्ठी का आयोजन हुआ। विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. आशा त्रिपाठी, प्रान्तीय संयोजक सेमिनार ने गोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वक्ताओं का संक्षिप्त परिचय दिया। तत्पश्चात क्षेत्रीय मंत्री प्रमोद दादू ने भारत विकास परिषद् की समाज निर्माण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. मीरा दूबे ने मातृशक्ति की भूमिका, डॉ. राजीव मिश्रा ने युवकों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका, आर.के. सिंह, पूर्व प्राचार्य ने शिक्षिकों की भूमिका पर प्रकाश ज़ला। सभी की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्री प्रकाश डिउवानी ने की। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ज्योति किरण एसोसियेट प्रोफेसर महिला डिग्री कॉलेज ने किया।

ब्रज प्रदेश, मयूरी अलीगढ़ : शाखा द्वारा डॉ. दिनेश गुप्ता की टीम द्वारा महिला नि:शुल्क चेकअप तथा रियायती दर रुपये 100/- में अल्ट्रा साउण्ड किया गया। लोहड़ी पर रीना गुप्ता के अवास पर तिल गुड़, गजक, मूंगफली का आनन्द लिया गया। सदस्यों ने पंजाबी वेश भूषा में गिद्दा, भांगड़ा नृत्य किया। लता गुप्ता, रश्मि, सुहृदय, उमा गुप्ता का सहयोग रहा। नीता, मीनू, दीप्ति, गीता, शिखा, प्रीति, कल्पना, भूमिका, मुक्ति, शिवानी, कविता, इन्दू, पूजा, नेहा, नमन, ममता, मीना, रिचा, रजनी, पूनम, रोमा, सीमा, अर्चना, निरूपमा, राधा ने भाग लिया। मकर संक्रान्ति पर 250 किलो खिचड़ी बनाकर खिलाई गई। गणतंत्र दिवस पर बच्चों को मिठाई बांटी गई।

आगरा संस्कार : शाखा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित सरल विवाह के क्रम में 12 सर्वजातीय कन्याओं का विवाह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ब्रज मोहन अग्रवाल ने कन्याओं को आशीर्वाद दियां भागवत विदुषी, कीर्ति किशोरी तथा महंत सुरेन्द्र, प्रकाश भारद्वाज ने आशीष दिया। प्रात: चिन्ता हरण मंदिर से वर यात्रा शुरु होकर अष्ट भुजा मंदिर में शोभा यात्रा समाप्त हुई। रास्तें में नीलिमा, अनुपम ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। एक दिन पूर्व मेंहदी की रस्म हुई। जिला अध्यक्ष विनय सिंह के साथ ब्रज प्रान्त के पदाधिकारी तथा केन्द्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पंजाब पश्चिम, मुकेरिया : अमर शहीद विष्णु पिगले का बलिदान दिवस ग्राम श्री पंडायण में मनाया गया। हाजीपुर में पूर्व सैनिकों की सभा में पठानकोट एयरबेस के आतंकी हमले की वर्षगाँठ मनाई गई।

टैगोर लुधियाना : शाखा द्वारा गोविन्द सिंह के प्रकाशपर्व पर प्रभात फेरी निकाली गई। शबद कीर्तन हुआ तथा सुखमनी साहिब का पाठ किया गयां वृद्धाश्रम में वृद्धों तथा अनाथ बच्चों को सामग्री बांटी गई। झोपड़पट्टी की महिलाओं को लड़की के जन्म पर सम्मानित किया गया तथा कपड़े, कम्बल, नकद दाशि, खाद्य सामग्री दी गई। मकर संक्रान्ति पर्व पर 40 वृद्धों को कान की मशीन दी गई। जम्मू के सीमा क्षेत्र में स्कूली बच्चों का वर्दिया बांटी गई। चण्डीगढ़ रोड रेहरिया, प्रतापपुरा, नूरसेवा केन्द्र की बस्तियों में गर्म कपड़े बांटे गये।

पंजाब दक्षिण, बठिण्डा : शाखा द्वारा प्रतिमास विधवाओं को राशन सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत 40 विधवाओं को सहायता प्रदान की गई। स्थायी रूप से इन परिवारों को कार्ड बना दिये गये। पिछले 8 वर्षों से सहायता दी जा रही है। प्रकल्प प्रभारी श्रीमती एस.एल. लटिका, प्रो. अशोक गुप्ता, श्रीमती सुशीला गुप्ता, ओ.पी. सदाना आदि मौजूद रहे। मकर संक्रान्ति पर सपरिवार उत्साहपूर्वक त्यौहार मनाया गया। प्रिंसिपल प्रमोद खुसरीजा ने पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। मैडम तारू मित्तल ने परम्परागत रीति से मइया दे लोहड़ी तेरी जीवे जोड़ी गीत गया। कुमारी श्रुति टी.वी. कलाकार ने गीत सुनाया। बच्चों ने गजक, गुड़, मूंगफली का आनन्द लिया।

फिरोजपुर : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में 31 अध्यापकों को सम्मानित किया गया। मेंहन्दी और रंगोली प्रतियोगिता

में विभिन्न स्कूलों के 90 बच्चों ने भाग लिया। विजयी छात्रों को बीना बजाज ने पुरसकार बांटें शहीदे आज़म भगत सिंह के जन्म दिन पर चौक स्थित प्रतिमा पर माला चढ़ाई गई। भारत को जानो प्रतियोगिता में 1200 बच्चों ने भाग लिया। निर्धन वर्ग के बच्चों के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जरूरत के अनुसार ड्रेस स्टेशनरी, मोजे आदि बांटे गये। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर सुखमनी साहिब गुरुद्वारे में पाठ तथा शबद का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. सतिन्दर सिंह विपिन शर्मा, सुनीर मोगा, सेवा सिंह, डॉ. रामेश्वर सिंह उपस्थित रहे। स्लम सरिया के छात्रों को विशेष सामग्री बांटी गई।

हरियाणा उत्तर, सूरज पंचकूला : विवेकानन्द जयन्ती पर स्वामी जी शिक्षाओं पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चिन्मय मिशन के स्वामी अनिशचैतन्य ने जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। महिला सिलाई केन्द्र में बबिता मार्कन्डेय के सहयोग से स्थायी प्रकल्प शुरु हुआ। परिवार मिलन, वसंन्त पंचमी पर सदस्यों ने गीत, चुटकुले प्रस्तुत किये। विनोद शर्मा ने विचार रखे।

कैथल : शाखा द्वारा वन्देमातरम् गायन प्रतियोगिता में 6 स्कूली टीमों ने भाग लिया। हेरिटेज पब्लिक स्कूल विजयी रही। एकलगीत में रेशम,रंगभरो में सुनैना तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में मंजू ने विजय प्राप्त की। गोरखनाथ ब्रेन पावर एकेडमी के दो छात्राओं कुश, खुशी ने आँखों पर पट्टी बांधकर महसूस करने की शक्ति के आधार पर अखबार और पुस्तकें पढ़ी। परिषद् भवन में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्ष तिलकराज अग्रवाल ने ध्वजारोहण किया। राजकुमार मित्तल, प्रान्तीय उपाध्यक्ष ने इस अवसर पर अपना उद्बोधन दिया। बच्चों ने कविताएँ तथा देशभक्ति के गीत गाए। उपस्थित सभी लोगों से स्वदेशी वस्तुए प्रयोग करने का आह्वान किया।

घरौंडा : शाखा ने 100 जोड़ी लिबर्टी शूज राजकीय प्राथमिक पाठशाला नंबर 1 घरौंडा में बच्चों को वितरित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धूम सिंह राणा सपत्नीक उपस्थित रहे। स्कूल प्रधानाध्यापिका कलावती जी ने भारत विकास परिषद्, घरौंडा के जन उपयोगी कार्यों की सराहना की तथा शाखा अध्यक्ष, सचिव व उनकी टीम का धन्यवाद दिया। मुख्य रूप से महिला टीम रेणुका भाटिया, अनुराधा, तमन्ना, मीरा बंसल, अंजना राणा आदि का साथ रहा।

गुजरात मध्य, इन्द्रपुरी-बडोदरा : शाखा द्वारा वंचित एवं निर्धन लोगों हेतु वस्त्र वितरण का कार्य गाँव दीवर में किया गया। इस कार्य में विपिन चन्द पाठक, पीयूष भाई पाण्डेया, परेश भाई आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली उत्तर, श्रीगणेश-शालीमार : शाखा द्वारा 16वाँ कुंडली हवन ए.सी.ब्लॉक में अपना पार्क शालीमार में सम्पन्न हुआ। हवन में पार्षद तथा रीजनल संरक्षक बी.एम.भण्डारी तथा मुख्य यजमान श्रीमती तथा श्री राधेश्याम अग्रवाल रहे। संजीव मिगलानी रीजनल सचिव ने परिषद् के सेवा कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। यज्ञ की अध्यक्षता एडवोकेट एम.एल.गक्खड़ ने की।

Punjab West, Saheed Sukhdev Ludhiana : The branch distributed 2000 milk bottles to Jagannath Yatra deities. In the Eye Camp 260 patients attended the camp and received medicines 15 people got operated their cataract.

Welcome stage was installed in the honour of Jaganath Yatra. 2000 milk bottles were distributed to the devotees. A mega eye camp was conducted. 260 patients were checked up. Shanker eye hospital gave the medical services.

Dr. Kitchlu, Ludhiana : Langer was served by branch to common man. Lohri was celebrated with 130 family members. Bone fire, Distribution of Gazak and Rewadi, Snacks with tea. Cultural items like songs skit, solo, folk dance, giddha was organized by members families. Mr.Thapar principal of Govt. model school was the chief guest. He delivered his speech on Beti Bachao and drug addiction. Clean India Campaign. Republic day was observed. In collaboration with HPP School, Grewal colony. Dr. DRC Bhaketia addressed the students for personality development. About 150 students. 15 teachers attended the function.

Vivekanand-Ludhiana : Branch supported financial assistance at the Tune of Rs. 5100 for the marriage of a poor girl. Bhajan Sandhya was organized a Viklang Kendra, about 20 men, women and children presented Bhajan. Republic day was celebrated among the members. 60 certificates were given to computer and sewing trainees. To eradicate polythin. The branch distributed 1000 cloth bags to common man.

Punjab East, Chandigarh : BVP organized a session themed on Ekatam Manav Darshan to remember the birth centenary of Deen Dayal Upadhyaya. The session was chaired by Tarun Vijay MP Rajya Sabha and noted scholar and journalist Mayor Asha jaiswal was the chief guest. Tarun Vijay said that Deen Dayal's role in bringing out a revolutionary change in Indian polity was appreciated all around. He was the father of the modern Modi era. Being an economist had he not dream out of a progressive nation. There economic reforms would have been a day dream. Deen Dayal ji role in collating Hinduism as organizations security and national pride has given him an upper edge in Indian polity. Mayor Asha jaiswal urged the Politician to follow the path shown by Deen Dayal Upadhay ji. Ajay Dutta Secretary General of BVP told that the programme was

designed to introduce the people about the life sketch and thoughts of upadhya ji.

J&K, Swami Vivekanand-Gandhinagar Jammu : Branch collaboration with Medanta Gurgaon branch (Haryana South) celebrated "World Cancer Day" at Gole Market, Jammu to make aware the citizen of Jammu.

Assam, Birjhora : Branch celebrated 154th Birth Anniversary of Swami Vivekanand at Rash Mandir, Bongaigaon. A lecture was deliverd by Gopal Ch. Das, President alongwith other eminent personality. They focus on the life and philosophy of Swami Vivekanand & cultural programme was also held wherin performance by Anil Sarma, Bhaktimani Sarma, Ollyganjna Sarma, Dr Ranjit Kr Das was preminent. Dilip Kr. Baruah, Secretary conducted the event.

Karimganj: The branch participated in Swachchata Program organized by District Administration on the occasion of Sanitation Week on 11th February 2017. Branch officials & members participated the event.

Tezpur : The Branch has constructed PRAANDHAARA ,a Purified drinking water booth at premises at Sankardev Sishu Vidya Niketan, Mazgaon, Tezpur.

West Bengal : Bharat Vikas Parishad organized a Seminar on the subject "Dharma & Bhartiya Culture values at Halwasiya Conclave, Shakespeare Sarani, Kolkata.

The Chief Speaker was Justice M. Rama Jois (Former National President of Bharat Vikas Parishad, Former Chief Justice of High Court, Former Governor. He highlighted on the issues like Dharma & Religion, Right to happiness, and Right to education, Indian Vs Western culture, and thoughts of Swami Vivekananda etc. He also explained about different sloks in Sanksrit which has been written on the different walls of Parliament. He explained some of the important sloks of Ved, Puran, MahaBharat etc. and their importance in present scenario. He informed that there was a famous temple of Maa Saraswati in Kashmir which is in PoK. Members present also interacted with him on their queries.

Dr. Maumita Sengupta presented Vandematram. Shri Shivam Singhania introduced Justice Jois to the members. Sri Sunil Singhania welcomed Justice Jois. Sri Nandlal Singhania & Sri Ghanshyam Sugla, Dr.Reeta Bhattacharya, Sri Amarnath Choudhary, State President played assisted in successful organization of the seminar although they were at Guwahati for regional conference.

Delhi West, Janakpuri C-2 : The branch donated a sewing machine to a poor lady. Inauguration of Chander Shekhar Batika was organized in a big way. Shri Ashish Sood and Rajni montani chairman horti culture of SDMC. blessed to events.

Delhi North, Panchdeep :Branch organized Milan Programme at Chitragupt park of Rohini. 35 family members and children participated in the programme. A cultural programme was arranged. Members who contributed for BVP activities were honoured. Archana Singhal, Ramesh Rathi, Satish Gupta and Sangeeta Gupta Y.S.Bhatnagar graced the occasion.

Gujarat North: Patan branch organized a marriage song competition. 13 lady teams participated in the competition. Shri Harish Bhai Patel, Shanti Bhai Patel, Mahindra Bhai Joshi and Suresh Bhai joshi were very much impressed to witness the competition. Team of village third bagged first prize team patan second and Unjha – Radhanpur bagged third prize. Winning teams were awarded by the girls and Mahila convenor Poornima Behn Modi, Shilpa Behn Sangita and Priti Behn.

Telangan : A new branch BHEL Ramchandra Puran was started Shri K.L.Basudev Rao Director BHEL was the chief guest. 40 members administered the oath. Shri K.L.S. Reddy president, G.Sriniwas Secretary and Shiv Ramkrishna Treasurer. Shri Suresh Jain national coordinator elaborated the philosophy of BVP. Elocution contest on the youth day was organized at Hyderabad. 35 students from 12 schools appeared in the competition. The topic for gumor group was life and message of Swarn Vivekanand and life and achievement of PB. Narsinga Rao. Winners in essay competitions was K.Ramyashres Warangal (5) and Ananya of Arya Bhell branch (5). In election contest winner were P.Bun my (J) and B.Pradimma (5) certificates and prizes were given by Vasi Debi chief guest.

Karnataka North, Belgaun : The branch organized GVCA in 22 students of their area. Where 17 teachers and 34 students were honored in the general assembly of the students. About 12000 students gathered in different associates and 404 teachers were present. Branch office bearer Dr. J.G.Naik, S.C.Mirashi, P.N.Nayak, J.P.Nayak Hemant Deshpande,V.B, Yalbergi were present. The programme convenor Shubhangi Mirashi and Manju Jalihal arranged the programme.

टी.पी. कट्टीमणि, कुलपति राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय अमरकंटक

अमरकंटक के प्रौढ़ साधना शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. टी.पी.कट्टीमणि के द्वारा सम्पन्न हुआ। उन्होंने भारत विकास परिषद् में प्रौढ़ बन्धुओं के उपयोग की कार्य योजना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज का निर्माण करने में अनुभवी, वयस्वी और सेवा निवृत्त लोगों की महती भूमिका हैं हमारे समाज में डायबिटीज, रक्तचाप आदि बीमारियों का कारण प्रकृतिक प्रदत्त वस्तुओं के प्रति उपेक्षा हैं आदिवासी लोग जंगल में रहते हैं, प्रकृति से मिलने वाली वस्तुओं का सेवन करते हैं। उनकी आयु 100 वर्ष होती है। वे स्वस्थ रहते हैं, वे कोदो, कुटकी धान खाते हैं बंगलौर के एक आदिवासी गाँव से जन्में तथा प्रथम पी.एच.डी. प्रो. कट्टीमिण प्रकृतिक वस्तुओं का ही सेवन करते हैं। आदिवासियों के गाँव में समय गुजारते हैं उन्होंने ब्लैक या ग्रीन टी लने, चीनी के स्थान गुड़ का प्रयोग करने का आग्रह किया। नमक हमारे लिए हानिकर है। रेशा युक्त फल, सब्जी को अधिक मात्रा में प्रयोग करना चाहिए। बैठकर पानी पीना, खाने के एक घंटे बाद पानी पीना आदि स्वास्थ्य के अनेक टिप्स देते हुए श्री कट्टीमणि ने भारत को एक सुन्दर और प्रकृतिक सम्पदा का देश बताया। बच्चों के लिए हम रोल मॉडल बने। हमें आदिवासी भारत बनाना है। सच बोलना, दहेज प्रथा से मुक्त भारत, धर्म पर आचरण करने वाला भारत, असंग्रह हमारा स्वभाव होना चाहिए। जब साधु बड़े उद्योगपति बन सकते हैं तो हम भी कोट पैंट पहन कर साधु क्यों नहीं बन सकते। उन्होंने स्वच्छ भारत के लिए सबको स्वस्थ रहने का आह्वान किया।

मनहूस चेहरा

एक व्यक्ति के बारे में मशहूर हो गया कि उसका चेहरा मनहूस है। लोगों ने उसके मनहूस होने की शिकायत राजा से की। राजा को इस पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन उसने इस बात की जांच करने का फैसला किया।

राजा ने उस व्यक्ति को बुलाकर महल में रखा। एक सुबह स्वयं उसका मुँह देखने पहुँचा। संयोग से व्यस्तता के कारण राजा उस दिन भोजन नहीं कर सका। वह भी इस नतीजे पर पहुँचा कि उस व्यक्ति का चेहरा मनहूस है। उसने जल्लाद को बुलाकर उस व्यक्ति को मृत्यु दंड देने का हुकुम सुना दिया। जब मंत्री ने राजा का हुक्म सुना तो उसने पूछा कि महाराज इस निर्दोस को मृत्यु उंड क्यों दे रहे हैं। राजा ने कहा हे मंत्री यह व्यक्ति वास्तव में मनहूस है। आज सर्वप्रथम मैंने इसका मुँह देखा और मुझे दिन भर भोजन नसीब नहीं हुआ।

इस पर मंत्री ने कहा - क्षमा करें महाराज। इस व्यक्ति ने भी सर्वप्रथम आपका मुँह देखा। आपको तो भोजन नहीं मिला। लेकिन आपके मुख दर्शन से इसे मृत्यु दंड मिल रहा है। अब आप स्वयं निर्णय करें कि अधिक मनहूस कौन है।

राजा भौचक्का रह गया। उसने इस दृष्टि से तो सोचा ही न था। राजा को किकर्तव्यविमूढ़ देखकर मंत्री ने कहा राजन किसी भी व्यक्ति का चेहरा मनहूस नहीं होता वह तो भगवान की देन है। मनहूसियत हमारे देखने या सोचने के ढंग में होती हैं। कृपा कर इस व्यक्ति को मुक्त कर दें। राजा ने उसे मुक्त कर दिया। - **पुष्करण संदेश से साभार।**

डॉ. जी.सी.त्रिपाठी, कुलपति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

प्रौढ़ साधना शिविर झूसी (प्रयाग) में कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा - हमें एक शक्तिशाली देश का निर्माण करना है। देश के विकास का दायित्व नागरिकों पर होता है। हमारा लम्बा इतिहास दर्शन, हमारा वैचारिक अधिष्ठान है। अनेक गतिरोधों के बावजूद हमारा सांस्कृतिक प्रवाह बना रहा। संस्कृति परमत्मा का विग्रह हैं परिषद् सुखी हो, हमारे पुरुषार्थ में अर्थ भी महत्वपूर्ण हैं। सृष्टि के कल्याण में समाधिस्थ होना मोक्ष है। 20वीं शताब्दी के छठवें दशक में विवेकानन्द, दयानन्द तथा मालवीय जैसे प्रखर राष्ट्रवादी नेताओं ने संस्कृति के प्रवाह को बनाए रखा। मालवीय जी के विजन के कारण ज्ञान की संप्रभुता का निर्माण हुआ। इसलिए हिन्दू विश्वविद्यालय एक राष्ट्रीय संस्थान है। यह ज्ञान का एक संपूर्ण समग्र मॉडल है। शिक्षा मस्तिष्क का परिमार्जन करती है। यह सत्य के मूल में प्रतिष्ठित होनी चाहिए। हमारी संस्कृति में पुरुष और महिला का अलग-अलग विचार नहीं हुआ। सफल पुरुष का स्रोत एक नारी होती है। इसीलिए संस्कृति में नारी को नर से पहले स्थान मिला। राम का महत्व सीता से और शंकर का महत्व पार्वती से है। वर्तमान में अनेक समस्याएं विदेशी शासन के कारण आई। इनका समाधान भारत का अनुशासित युवा ही कर सकता है।

॥ श्रद्धांजलि ॥

1. **भीलूड़ा, राजस्थान दक्षिण :** शाखा के सदस्य एवं समग्र ग्राम विकास योजना के प्रेरणास्रोत श्री प्रताप दादा परमार का 31 जनवरी, 2017 निधन हो गया।
2. **बठिण्डा, पंजाब दक्षिण :** शाखा सदस्य एवं प्रान्तीय उपाध्यक्षक श्री वी.के.जुनेजा का निधन हो गया।
3. **लखनऊ-निराला, अवध प्रदेश :** शाखा अध्यक्ष श्री राम मानस जी का आकस्मिक निधन हो गया।
4. **इस्माइलाबाद, हरियाणा उत्तर :** शाखा के वरिष्ठ सदस्य श्री श्री मदन मोहन शर्मा का 25 जनवरी, 2017 को आकस्मिक निधन हो गया।
5. **नई दिल्ली :** केन्द्रीय कार्यालय में कार्यरत श्री मुकेश कुमार के पिता जी का निधन हो गया।

नहीं रहे सरदार जोगिन्दर सिंह जी

पूर्व सी.बी.आई. चीफ सरदार जोगिन्दर सिंह जी लम्बे समय तक भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय शासी मण्डल के सदस्य रहे। परिषद् के लिए उन्होंने कई प्रान्तों का प्रवास कियां परिषद् के कार्यक्रमों से उनका सदा लगाव रहा। परिषद् परिवार द्वारा विनम्र श्रद्धांजलि।

विनम्र श्रद्धांजलि-राजेन्द्र प्रसाद कोठारी

भारत विकास परिषद् मध्य रीजन के रीजनल सचिव, सामूहिक विवाह का मस्तिष्क जनित संक्रमण के कारण आकस्मिक निधन हो गया। श्री कोठारी वस्त्र उत्पादन क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायी तथा माहेश्वरी सभा, इस्कान टेक्सटाइल फेडरेशन में सक्रिय रहे। 23 वर्षों से परिषद् के सक्रिय सदस्य श्री कोठारी ने शाखा, प्रान्त, रीजन के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया। शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना।

मृत्यु के बाद पुण्य कमाने के 7 सरल उपाय

1. किसी को धार्मिक ग्रंथ भेंट करे। जो उसका पाठ करेगा, आपको पुण्य मिलेगा।
2. एक व्हील चेयर किसी अस्पताल को दान करें। जब कोई मरीज उस पर बैठेगा आपको पुण्य मिलेगा।
3. किसी अन्न क्षेत्र के लिए मानसिक व्याज वाली एफडी बनवायें। जब कोई उसके ब्याज से भोजन करेंगा आपको पुण्य मिलेगा।
4. सार्वजनिक स्थान पर वाटरकूलर लगवायें जो पानी पियेगा आपको पुण्य मिलेगा।
5. किसी अनाथ को शिक्षित करो, उसकी पीढ़ियाँ आपको दुआ देगी, आपको पुण्य मिलेगा।
6. अपनी औलाद को परोपकारी बनाओ। आपको पुण्य मिलेगा
7. पुण्य का ये उपाय सबको बताओ। एक ने भी पालन किया तो आपको पुण्य मिलेगा।